सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 04 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

टॉप माओवादी लीडर राजू सलाम समेत 100 से ज्यादा नक्सलियों ने किया सरेंडर!

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोयलीबेडा थाना क्षेत्र में 100 से ज्यादा नक्सलियों के सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने की खबर सामने आ रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारी फिलहाल कुछ भी कहने से बच रहे हैं। चर्चा है कि कोयलीबेडा थाना क्षेत्र के कामतेड़ा बीएसएफ कैंप में करीब 100 से ज्यादा नक्सलियों ने हथियार के साथ सरेंडर किया है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में अब तक का ये सबसे बड़ा नक्सलियों का सरेंडर है।

इस मामले में एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफदिख रहा है कि बीएसएफकैंप में दो बसें आ रही हैं। फिर उसके पीछे तीन कार आ रही हैं। इसके बाद एक पुलिस की गाड़ी दिख रही है। आस-पास फोर्स के जवान तैनात हैं। चारों तरफ से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद दिख रही है। बैरिकेड्स भी लगाये गये हैं। सूत्रों के मुताबिक, नक्सली गेंडाबेड़ा गांव तक पैदल चलते हुए आए और फिर पुलिस की बस में बैठकर बीएसएफकैंप तक पहुंचे।

जवानों ने नक्सलियों का बंदूक फैक्ट्री ढूंढ निकाला, सर्च ऑपरेशन से मिली सफलता

जगदलपुर। ओडिसा के मलकानगिरी पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है, कालीमेला थाना क्षेत्र के धूमल और चिलकलामुडी रिजर्व फॉरेस्ट इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन में तलाशी के दौरान नक्सलियों की एक गुप्त बंदूक फैक्ट्री का पता चला। आंध्र-ओडिशा सीमा पर सिलुरु थाना क्षेत्र में डीवीएफके जवानों की छापेमारी में कई अर्धनिर्मित बंदूकें, मरम्मत के उपकरण, और हथियार बनाने की पूरी सामग्री बरामद की गई, इसके साथ ही नक्सलियों द्वारा छिपाई गई तीन बारूदी सुरंगें जिनका वजन तीन, दो और एक किलो है, उसे भी जब्त की गई है। यही नहीं पांच डेटोनेटर, कॉडेक्स वायर, वेल्डिंग मशीन, जनरेटर और वेल्डिंग रॉड जैसे उपकरण भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का मानना है कि यह फैक्ट्री नक्सलियों के हथियार मरम्मत और निर्माण का अहम ठिकाना थी, बरामद सभी विस्फोटक और सामग्री को सुरक्षा बलों ने नष्ट कर दिया है, जबकि जब्त किए गए सामानों को जिला पुलिस कार्यालय में प्रदर्शित किया गया, मलकानगिरी पुलिस ने इसे नक्सल नेटवर्क पर बड़ा प्रहार बताया है और आगे भी ऐसे अभियानों को तेज करने की बात कही है।

कोंडागांव में महिला नक्सली ने किया सरेंडर

कोण्डागांव। जिले में में सक्रिय 5 लाख की इनामी महिला नक्सली गीता उर्फ कमली

सलाम ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पूर्वी बस्तर डिवीजन की टेलर टीम कमांडर रही गीता ने पुलिस अधीक्षक वॉय अक्षय कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण किया। गीता पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

महिला नक्सली ने बताया कि शासन की विकास योजनाओं, सड़कों और मोबाइल नेटवर्क के विस्तार, बिजली-पानी की उपलब्धता और ग्रामीणों तक पहुंच रही जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर उसने नक्सली मार्ग छोड़ दिया। आत्मसमर्पण करने पर गीता को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है. साथ ही शासन की पुनर्वास नीति के तहत अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान, सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित

राज्य में PM-JAY के तहत पंजीकृत अस्पतालों में से 97 फीसदी आयुष्मान योजना अंतर्गत सक्रिय पूरे देश में यह सर्वाधिक, यह योजना में राज्य के अस्पतालों के विश्वास का प्रमाण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्यों और शून्य लंबितता (Zero Pendency) सुनिश्चित करने की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए छत्तीसगढ़ को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित किया गया है। यह सम्मान आज भोपाल में आयोजित एनएचए कॉन्क्लेव के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) के CEO सुनील कुमार बर्नवाल द्वारा राज्य नोडल एजेंसी (SNA) की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर (ऑपरेशन) धर्मेंद्र गहवाई को प्रदान किया गया। यह उपलब्धि राज्य नोडल एजेंसी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए की गई निरंतर पहल का परिणाम है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित हुई कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में पहली बार आयुष्मान भारत योजना को एक एजेंडे के रूप में शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को जिलों में योजना की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। राज्य नोडल एजेंसी द्वारा हाल के महीनों में कई सशक्त कदम उठाए गए, जिनमें संदिग्ध दावों की पहचान कर व्यापक फील्ड ऑडिट का संचालन, क्लेम प्रोसेसिंग के टर्न-अराउंड टाइम में उल्लेखनीय कमी, सभी

हितधारकों का उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता प्रशिक्षण, स्टेट एंटी फ्रॉड यूनिट टीम का सशक्त गठन और एम्पैनल्ड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स के साथ नियमित संवाद एवं समन्वय तंत्र की स्थापना शामिल है। जनवरी 2025 में NHA की समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ में संदिग्ध दावों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक पाई गई थी। इस स्थिति में सुधार के लिए राज्य नोडल एजेंसी ने त्वरित कार्ययोजना तैयार कर अमल में लाई।

सख्त कार्रवाई और पारदर्शिता

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जनवरी-फरवरी 2025 के बीच राज्यभर में 52 अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया गया। योजना के मानकों का पालन न करने पर 45 अस्पतालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई, जो अब तक की सर्वाधिक कार्रवाई रही। इसके अलावा, 32 हजार से अधिक मामलों में फील्ड ऑडिट किए गए, जिससे फर्जी दावों की रोकथाम और दावे निपटान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया गया।

जिला एवं राज्य स्तर पर सघन समीक्षा

राज्य में सभी जिलों द्वारा सचिव (स्वास्थ्य) के निर्देशानुसार अस्पतालों का पुन: निरीक्षण किया गया। सचिव श्री अमित कटारिया की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की तिमाही समीक्षा बैठक में PM-JAY को प्रमुख एजेंडा बनाया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्टेट नोडल एजेंसी के नेतृत्व में जिलों की मासिक समीक्षा बैठकें प्रारंभ की गईं, वहीं दैनिक उपलब्धियों के आधार पर जिलों को रोजाना फीडबैक और दिशा-निर्देश जारी करने की प्रणाली भी विकसित की गई।

अस्पतालों से निरंतर संवाद

एम्पैनल्ड अस्पतालों की समस्याओं के निराकरण हेतु इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों और निजी अस्पतालों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं। हाल ही में एनएचए विशेषज्ञों की उपस्थिति में स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन भी हुआ, जिसमें अस्पतालों की समयाओं का निराकरण किया गया, उन से सुझाव प्राप्त किए गए और उन्हें योजना की नवीनतम प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

प्रशासनिक प्राथमिकता के रूप में योजना

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा है कि PM-JAY को सभी जिलों की समीक्षा बैठकों के प्रमुख एजेंडा में शामिल किया गया है। राज्य स्तर पर भी प्रत्येक माह जिलों के साथ समीक्षा कर योजना की प्रगति का आकलन किया जा रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के सभी पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण, नि:शुल्क एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अल्प समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार करते हुए अपनी कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता का राष्ट्रीय स्तर पर लोहा मनवाया है।

योजना में राज्य के 97 प्रतिशत अस्पताल सक्रिय

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में PM-JAY के तहत पंजीकृत 97 प्रतिशत अस्पताल सक्रिय हैं,जो योजना में अस्पतालों के विश्वास का प्रमाण है। जबकि पड़ोसी मध्यप्रदेश में यह दर मात्र 62 प्रतिशत और देश का औसत मात्र 52 प्रतिशत है। स्वास्थ्य विभाग के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप संदिग्ध दावों की संख्या में भारी गिरावट आई है, जहां पहले प्रति सप्ताह 2,000 से अधिक संदिग्ध दावे दर्ज होते थे, वहीं अब यह घटकर 500 से भी कम रह गए हैं। वहीं क्लेम अप्रूवल का समय घटकर अब केवल 7-10 दिन रह गया है।

निगम की कचरा गाड़ी ने स्कूटी सवारों को कुचला, युवक युवती की मौत, सड़क पार कर रही महिलाएं भी चपेट में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। नगर निगम दुर्ग की कचरा गाड़ी ने स्कूटी सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में युवक युवती की मौत हो गई और तीसरी युवती घायल है। घटना के बाद कचरा गाड़ी ने सड़क पार कर रही दो महिलाओं को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे उन्हें चोटे आई हैं। यह हादसा कलेक्ट्रेट के सामने पटेल चौक के पास हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान अटल आवास के रहने वाले खिलेश्वर साहू (25 साल) और सलमा (25 साल) के रूप में हुई है। इस हादसे में उनकी सहेली कुमोदनी गोड़ घायल हुईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बताया जा रहा है कि तीनों स्कूटी पर सवार होकर रात में घूमने निकले थे। गंजपारा रोड से इंदिरा मार्केट की ओर जा रहे थे, तभी डंपिंग यार्ड की ओर जा रही है निगम की कचरा गाड़ी की चपेट में आ गए।

हादसे के बाद अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां खिलेश्वर साहू और सलमा को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। लोगों का कहना है कि त्योहार के कारण सड़क पर काफी भीड़ है और इस दौरान भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है। कहीं न कहीं हादसा प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। फिलहाल दुर्ग कोतवाली पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

सीएम साय बिहार प्रवास पर, विधानसभा चुनाव की तीन नामांकन रैलियों में होंगे शामिल, पूर्व सीएम पर कसा तंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को बिहार प्रवास के लिए रवाना हो गए हैं। गुरवार सुबह सीएम साय रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से रवाना हुए। बिहार में वे विधानसभा चुनाव के दौरान तीन विधानसभा क्षेत्रों के नामांकन रैली में शामिल होंगे। बिहार रवाना होने से पहले सीएम साय ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा की और पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर तंज कसा।

सीएम साय ने कहा कि वे आज बिहार प्रवास पर जा रहे हैं। वहां तीन विधानसभाओं में नामांकन रैली में शामिल होना है। इस दौरान मीडिया द्वारा पूर्व सीएम भूपेश बघेल को भी बिहार चुनाव में प्रभारी बनाए जाने व वहां प्रचार की जिम्मेदारी संभालने की बात पर सीएम साय ने कहा कि भूपेश बघेल पहले भी कई राज्यों के प्रभारी बन के जा चुके हैं और वहां क्या परिणाम रहा कांग्रेस का ये पूरा देश जानता है।

बता दें बिहार में दो चरणों में चुनाव होगा। 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 14 नवंबर को नतीजों का एलान होगा। पहले चरण की नामांकन दाखिल करने की आखि़री तारीख़ 17 अक्टूबर है और दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की आखि़री तारीख़ 20 अक्टूबर है। पहले चरण के लिए नामांकन वापिस लेने की आखि़री तारीख़ 20 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नामांकन वापिस लेने की आखि़री तारीख़ 23 अक्टूबर है।

27 माओवादियों का आत्मसमर्पण, सरकार की पुनर्वास नीति की ऐतिहासिक सफलता

■ सीएम साय बोले- सुरक्षाबलों के साहस और शासन की नीतियों से बदल रहा है बस्तर का चेहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, संवेदनशील नीतियों और सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार जारी है। सुकमा जिले में आज 50 लाख रुपए के इनामी सहित कुल 27

सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह न केवल नक्सल हिंसा के अंत की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह बस्तर अंचल में विश्वास, सुरक्षा और विकास के नए युग की शुरुआत का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पीएलजीए बटालियन नंबर-01 के हार्डकोर नक्सली सहित विभिन्न स्तरों पर सक्रिय रहे माओवादियों का आत्मसमर्पण राज्य शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 और नियद नेल्ला नार योजना की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। शासन की संवेदनशील पहल लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वनांचलों में प्रशासन के प्रति बढ़ते जन-विश्वास से यह परिवर्तन संभव हुआ है। गढ़चिरौली में कुख्यात माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू समेत 60 नक्सलियों का आत्मसमर्पण नक्सलवादी विचारधारा पर एक निर्णायक प्रहार है। हमारे शौर्यवान सुरक्षाबल दिन-रात अदम्य साहस के साथ इस लड़ाई को अंजाम दे रहे हैं और सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार ने बंदूक छोड़ने वालों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा में लाने का रास्ता दिखाया है।उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों में स्थायी शांति और विकास की स्थापना करना है जहाँ कभी भय और हिंसा का साया था। आज वही इलाके संवाद, शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार की नई दिशा पकड़ रहे हैं। राज्य के पुलिस बल, डीआरजी, सीआरपीएफ कोबरा, एसटीएफतथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी अदम्य वीरता, संयम और रणनीतिक कौशल से इस संघर्ष को निर्णायक मोड़ पर पहुँचाया है।

मुख्यमंत्री ने सभी सुरक्षाबलों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनके साहस, अनुशासन और समर्पण से ही बस्तर में विश्वास का माहौल स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भारत 'नक्सल मुक्त राष्ट्र' के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार इस राष्ट्रीय संकल्प में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अग्रसर है।

आखिर वही हो गया जिसका डर था

श्रीकंचनपथ

हिन्दी को लेकर अति उत्साह ही कहीं इसका काल न बन जाए। किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती। हिन्दी का जन्म संस्कृत से हुआ, जो अपभ्रंश की अंतिम अवस्था से विकसित हुई है। यह संस्कृत से प्राकृत और फिर अपभ्रंश भाषाओं से होते हुए आज की हिन्दी के रूप में विकसित हुई। लगभग एक हजार साल पहले इस भाषा का स्वरूप सामने आने लगा, जिसमें समय के साथ फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के शब्द भी शामिल हुए। आज हिन्दी में अंग्रेजी सहित कई विदेशी भाषाओं के शब्द भी शामिल हो गए हैं। किसी भी भाषा का विकास एक सतत् चलने वाली लंबी प्रक्रिया होती है। इसे न तो थोपा जा सकता है और न ही दबाव पूर्वक सिखाया जा सकता है। दक्षिणी राज्यों में हिन्दी को लेकर एक असहजता शुरू से रही है। वहां के लोगों का अपनी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों से गहरा लगाव है। पर हिन्दी फिल्मों और गीतों से वे सहज ही जुड़ते रहे हैं। रेडियो के हिन्दी फिल्मी गीतों के कार्यक्रमों ने भी बल प्रदान किया। सबकुछ धीरे-धीरे चल रहा था। देश में कामकाज की स्वाभाविक भाषा हिन्दी और अंग्रेजी रही है। अंग्रेजी का प्रचार प्रसार दक्षिण भारत में पहले हुआ जहां मिशनरियां सक्रिय थी। इनके सस्ते मगर अच्छी गुणवत्ता वालों स्कूलों के सभी कायल हैं। पर इसी हिन्दी पर अब राजनीति का शिकार बन जाने का खतरा मंडराने लगा है।

केन्द्र सरकार को जहां लगता है कि एनपीए में भाषा को लेकर की गई नई व्यवस्था से हिन्दी बेल्ट में एक अच्छा संदेश जाएगा वहीं अब तमिलनाडु सरकार को लग रहा है कि पलटवार करने से तमिल भाषियों में उनकी छवि मजबूत होगी। लिहाजा अब वह एक ऐसा विधेयक लाने जा रहे हैं जिसके द्वारा तमिलनाडु में हिन्दी भाषा को ही बैन किया जा सकेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार पूरे तमिलनाडु में हिंदी के होर्डिंग्स, बोर्ड, फिल्मों और गानों पर बैन लगाने की कोशिश कर सकती है। सरकार ने इस बिल को लेकर मंगलवार रात कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक इमरजेंसी बैठक भी की। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और केंद्र के बीच लंबे समय से राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल को लेकर तकरार चल रही है। इसी साल मार्च में स्टालिन ने बजट पेश करते समय रुपए के हिन्दी प्रतीक को हटाकर उसकी जगह इसके तमिल संस्करण 'रुबई' का पहला अक्षर लगा दिया। स्टालिन 3 भाषा फार्मूले का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कहा था कि राज्य की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) से शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को फायदा हुआ हुआ है। स्टालिन ने कहा कि हिन्दी बेल्ट से भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी, और कई सारी भाषाएं अब अपने अस्तित्व के लिए हांफ रही हैं। उनका मानना है कि हिन्दी थोपने की कोशिश कई भारतीय भाषाओं को खत्म कर देगी।

संपादकीय

आखिर समाधान क्या है?

कथित जातीय उत्पीड़न के मामले अक्सर सामने आते हैं। मामला शांत होने तक हर बार यही चर्चा होती है कि आज भी किस हद तक जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई. पूरन कुमार की आत्म-हत्या को संस्थागत जातीय उत्पीड़न की मिसाल बताया गया है। कुमार ने सात अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली।

अपने सुसाइड नोट में उन्होंने 15 वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और जातिगत भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए। स्वाभाविक है कि मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। इसी समय मध्य प्रदेश की एक घटना भी सुर्खियों में है। इसके मुताबिक दमोह जिले में एक ओबीसी युवक को कथित रूप से जबरन एक ब्राह्मण व्यक्ति का पैर धोकर पानी पिलाया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सामाजिक संगठनों ने वहां विरोध प्रदर्शन किया।

ये घटनाएं कोई अजूबा नहीं हैं। अक्सर विभिन्न क्षेत्र के संस्थानों से लेकर गांव-देहात तक से कथित जातीय उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं। जब तक मामला शांत नहीं होता, उसको लेकर यही चर्चा होती है कि भारतीय समाज में आज भी जातिवाद और जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। कुछ जातियों को उत्पीड़क बता कर या सदियों से मौजूद जातीय उत्पीड़न की चर्चा कर इंसाफ के पैरोकार आगे बढ़ जाते हैं। वे यह सवाल नहीं उठाते कि सौ-डेढ़ सौ साल से इसी तरह का विमर्श जारी रहने, संविधान में तमाम भेदभाव खत्म करने के स्पष्ट प्रावधान होने और साढ़े तीन दशक से सामाजिक न्याय की राजनीति के हावी रहने के बावजूद हालात क्यों नहीं बदले हैं?

ये कठिन और असहज करने वाले प्रश्न हैं। इनकी तह में जाने पर नजर आएगा कि खुद किस तरह जातिगत पहचान और प्रतिनिधित्व को सामाजिक न्याय का पर्याय बना कर इसके पैरोकारों ने सारा विमर्श जातिवाद पर केंद्रित कर दिया है। इससे वंचित समूहों के बीच व्यापक एकता और समाज के आधुनिकीकरण की संभावनाएं क्षीण हो गई हैं। नतीजतन, जाति के विनाश का वह लक्ष्य पीछे छूट गया है, जिसे केंद्र में रखकर आधुनिक भारत के निर्माण की परियोजना शुरू की गई थी। इससे कुछ नेता-परिवारों और मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों को अवश्य लाभ हुआ है, मगर जातिवाद या जमीनी स्तर पर जातीय भेदभाव को खत्म करने का मार्ग और बाधित ही हुआ है।

मदिरा का मायाजाल

"सुषमा के स्नेहिल सृजन"

छंद-मनहरण घनाक्षरी

मानव वो मूर्ख बड़ा, मदिरा
पीकर पड़ा,
आते-जाते राहगीर,
देख धूर्त बोलते।
कभी गिरा कभी उठा, बोल रहा
उल्टा-सीधा,
दशा देख परिजन,
नैन अश्रु डोलते।
बालपन से ही लत, यौवन
विनाश करे,
क्षीणकाय तन दृश्य,
राज सभी खोलते।
'सुषमा' मानव जन्म, ईश
वरदान धन्य,
विष प्याला त्यागे सभी,
भविष्य को तोलते।
सुप्रभात मधुर वंदन

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल,
रायपुर छत्तीसगढ़

आखिर गठबंधन की 'गदहपचीसी' में कब तक उलझा रहेगा बिहार?

कमलेश पांडे

सिद्धांत विहीन गठबंधन की राजनीति से किसी भी जीवंत लोकतंत्र का कदापि भला नहीं हो सकता है। बिहार इसका दिलचस्प उदाहरण बन चुका है। यहां पर नीति और नियम दोनों का माखौल उड़ाया जा रहा है। चाहे एनडीए हो या इंडिया महागठबंधन (पूर्व नाम यूपीए), दोनों जगहों पर टिकट बंटवारे में जितनी सिरफुटौव्वल दिखाई पड़ी, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि मतदाताओं ने समझदारी नहीं दिखाई तो 14 नवम्बर से सरकार बनाने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग होना तय है।

सच कहूं तो इस फजीहत भरी सियासी स्थिति के लिए भाजपा और कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं है, क्योंकि उनके बीच बारहों मास चलते रहने वाले शह और मात के अनैतिक खेल से उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के इकबाल बुलंद रहते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (सुपुत्र पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय लालू यादव व राबड़ी देवी) तो महज इनके हथकंडे मात्र हैं।

लेकिन कभी एक-दूसरे की सियासी उन्नति की सहायक रहे नीतीश कुमार और लालू यादव इतने सजग रहते हैं कि इन्होंने एक-दूसरे का प्रबल विरोधी रहने के बावजूद दो-दो बार आपस में हाथ मिलाने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। इन्होंने भाजपा-कांग्रेस की सियासी तिकड़मों को बिहार में कभी सफल नहीं होने दिया। खास बात यह कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के टिकट बंटवारे से पहले भी इन्होंने यानी जदयू ने भाजपा को और राजद ने कांग्रेस को, उनके गठबंधन सहयोगियों को उकसाकर जो गुप्त सियासी खेल खेला है, उससे राजनीतिक विश्लेषकों का भी दंग रह जाना स्वाभाविक है।

जदयू का यह कहना कि लोजपा आर, हम और रालोमो को भाजपा मैनेज करे, यह एक गहरी सियासी चाल है! वहीं तेजस्वी यादव के परोक्ष इशारे पर वीवीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी द्वारा कांग्रेस पर तंज कसना और कांग्रेस को पिछली बार से भी कम सीटें ऑफर करना, साथ ही भाकपा माले द्वारा अधिक सीटों की मांग करना यह जाहिर करता है कि राजद अपने सहयोगियों को सीट बंटवारे के दौरान इतना कमजोर रखना चाहता है कि कि चुनाव परिणाम आने के बाद भी इनकी मोलभाव की ताकत कम रहे। यही पेंच जदयू की भी है, लेकिन भाजपा ने उसे 122 से 101 तक झुकाकर अपनी बढ़त बना ली है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गठबंधन की बुनियाद पर लड़े जा रहे चुनाव में पहली और बड़ी चुनौती यही रहती है कि गठबंधन के भीतर किस तरह से सहयोगी दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा और जमीनी हकीकत के बीच तालमेल बिठाया जाए यानी कि सही संतुलन साधा जाए। इस नजरिए से बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने सहयोगियों के बीच सीटों की संख्या के बंटवारे की गुत्थी पहले ही सुलझाकर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है, लेकिन सीटों के बंटवारे का असली पेंच यहां भी खबर लिखे जाने तक फंसा हुआ है।

सियासी टिप्पणीकारों की मानें तो बिहार में राजग या महागठबंधन के 2020 के मुकाबले 2025 में गठबंधनों के बाहर ही नहीं, बल्कि भीतर भी समीकरण बदल चुके हैं, जिसका तीखा असर सीट शेयरिंग पर भी दिख रहा है। एनडीए में जदयू और बीजेपी बराबर-बराबर सीटों पर मैदान में हैं, जबकि बाकी दलों को उनकी मांग से काफी कम सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। जिससे वे लोग बाहर से खुश और अंदर से नाखुश हैं। उनकी सियासी कविताएं इसी बात की चुगली करती हैं। हालांकि गठबंधन के लिए अच्छी बात यह होगी कि किसी सहयोगी दल ने खुलेआम नाखुशी जाहिर नहीं की है, क्योंकि अब में निर्विकल्प हो चुके हैं।

जानकारों की मानें तो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने एक नहीं बल्कि कई चुनौतियां लेकर आया है। भले ही वृद्ध हठ के अनुरूप इस चुनाव में भी राजग का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं, लेकिन बड़े भाई वाली उनकी पार्टी की भूमिका अब बराबर वाली हो चुकी है। पिछले दो दशकों से यही कहानी रही है कि उनके साथ में भाजपा रही हो या राजद, सीटें कम आई हों या ज्यादा -नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने। बीच में कुछ समय के लिए जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री उन्होंने ही बनवाया था। इसप्रकार वर्ष 2005 से ही वह मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं।

हालांकि इस चुनाव में उनकी राह आसान नहीं लग रही है, क्योंकि भाजपा, लोजपा आर, हम और रालोमो का दबाव उनपर है। वहीं, कानून-व्यवस्था को चुनौती देते अपराधियों की टीम और उनके सहयोगियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनकी सुशासन बाबू वाली छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। हालांकि मोदी नाम केवलम के दम पर तो उनकी चुनावी नैया पार लग जाएगी। लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि पिछली बार की तरह अगर इस बार भी उन्हें भाजपा से कम सीटें मिलती हैं, तब भी क्या सीएम की कुर्सी पर उनका दावा बना रहेगा या फिर चुनाव बाद कोई नया राजनीतिक खेल शुरू होगा।

वहीं, राजद की मुश्किल अलग प्रकार की है। कहा जा रहा है कि एनडीए ने जिस फॉर्म्युले को समय रहते ही सुलझा लिया, उसी फॉर्मूले तक पहुंचने में महागठबंधन को अभी काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे और कांग्रेस आलाकमान की कठिन परीक्षा से उन्हें गुजरना है। क्योंकि इस बार कांग्रेस ने बिहार में पहले से भी अधिक सीटों की आस लगाई है। जबकि राजद के लिए उसे मानना और साथ में दूसरे सहयोगियों से तालमेल बैठाना काफी मुश्किल हो सकता है। ऐसा उनकी परस्पर विरोधाभासी बयानबाजियों से पता चलता है।

कोढ़ में खाज यह कि इस बीच आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार (करप्शन) केस में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय होने से भी तीनों नेताओं की परेशानी बढ़ी है और आगे भी ज्यादा बढ़ सकती है। चूंकि तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी अभियान में भ्रष्टाचार और रोजगार जैसे अहम मुद्दे उठाए हैं। लेकिन ऐन चुनाव के पहले भ्रष्टाचार के मुकदमे (करप्शन केस) के आगे बढ़ने से उनके विरोधी दलों को एक और बड़ा मौका मिल गया है और भाजपा ने तो इसकी आक्रामक शुरुआत भी कर दी है।

उधर, सुप्रसिद्ध चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज का एंगल भी राजग और महागठबंधन की सियासी महत्वाकांक्षाओं में सियासी पलीता लगा सकता है, क्योंकि प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने भी उम्मीदवारों का ताबड़तोड़ ऐलान शुरू कर दिया है। इससे कहीं एनडीए को तो कहीं महागठबंधन को तगड़ा घाटा होगा, क्योंकि इस पार्टी की ओर से अब तक की जारी लिस्ट में जातिगत समीकरणों का पूरा पूरा ख्याल रखा गया है।

बहरहाल, अब पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख में केवल चार दिन बचे हैं, और दूसरे खेमों ने लिस्ट जारी करने में बाजी मार ली है, तो महागठबंधन पर दबाव बढ़ा होगा, ऐसा स्वाभाविक है। जनता को भी अब एनडीए और महागठबंधन की कीच कीच रास नहीं आ रही है। जिन उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार का कम समय मिलेगा, उनकी जीत के चान्स भगवान भरोसे रह जाए तो कहना गलत नहीं होगा। अब यह बिहार के प्रबुद्धजनों व मतदाताओं के ऊपर निर्भर है कि गठबंधन की गदहा-पचीसी से वो बाहर निकलकर एक नए भविष्य का निर्माण करेंगे या फिर लालू प्रसाद व उनके विकल्प नीतीश कुमार के सियासी भूलभुलैया में उलझे रहेंगे।

सवाल मौजूं है कि आखिर गठबंधन की 'गदहपचीसी' में कबतक उलझा रहेगा बिहार? बिहार के नेताओं व मतदाताओं को यह बात स्पष्ट करके ही दमदार निर्णय लेना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि मुख्यमंत्री के साथ साथ भावी प्रधानमंत्री वो कब चुनेंगे?

तालिबान को सैन्य मदद की आशंका से सहमा पाक

पुष्पराजन

बाहर देखने पर यह लग रहा है, कि अफगानिस्तान-भारत के बीच आर्थिक और मानवीय सहयोग के हवाले से कूटनीति हो रही है, लेकिन पाकिस्तान के रणनीतिकार इसकी पड़ताल में लगे हैं कि नई दिल्ली, काबुल को इंटेलिजेंस शेयरिंग से लेकर सैन्य साज़ो-सामान की मदद तो नहीं कर रहा है?

पाक-अफगान युद्ध ऐसे ही नहीं रुका है। उसका सबसे बड़ा कारण भारत रहा है। दावेदारी सऊदी अरब, यूएई और ईरान की तरफ़ से हो रही है कि उनके समझाने-बुझाने पर दोनों पक्ष मान गए हैं। इस तथाकथित शांति रथ के चौथे सवार, राष्ट्रपति ट्रम्प भी हो गए हैं। ट्रम्प ने बयान दिया, 'मैं तो शांति कराने में माहिर, 'पीस एक्सपर्ट' हूं। भारत-पाक को टैरिफ की धमकी दी, वो मान गए।' अब कोई पूछे, अफगान अमीरात ट्रम्प की टैरिफ धमकी को गंभीरता से लेगा क्या? उनके पास खोने के लिए है क्या? खैर, इस हंसी-मजाक से अलग, जो कुछ पाकिस्तानी प्रिंट मीडिया ने अपने सत्ता प्रतिष्ठान को समझाया है, वो बिलकुल 'कन्विंसिंग' और निशाने पर था।

'पाकिस्तान को इस बात से भी सावधान रहना चाहिए कि भारत और अफगान तालिबान, जो कभी कट्टर दुश्मन थे, के बीच अचानक संबंधों में गर्मजोशी आ गई है, और हाल ही में अफगान विदेशमंत्री का नई दिल्ली में सौहार्दपूर्ण स्वागत किया गया। इसलिए, काबुल के साथ संबंधों को, चाहे कितने भी तनावपूर्ण क्यों न हों, और बिगड़ने देना इस देश के हित में नहीं होगा।'

'चूंकि पाकिस्तान ने हमेशा अपने शत्रुओं के प्रति, चाहे वह भारत हो या अफ़गानिस्तान, शांति का हाथ बढ़ाया है। आपसी सम्मान और सौहार्द के आधार पर संबंध बनाने की कोशिश की है, इसलिए अब समय आ गया है कि कूटनीति को एक और मौका दिया जाए। अफगान तालिबान अधिकारियों के साथ बातचीत की जाए, ताकि आतंकवाद से निपटने में सहयोग किया जा सके तथा संबंधों में शांति सुनिश्चित की जा सके।'

भारत में मुत्ताकी के भव्य स्वागत को लेकर पाकिस्तान के सीने पर सांप लोट रहा है। पाकिस्तानी मीडिया का एक हिस्सा गुरुवार को काबुल में की गयी सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तान की बेवकूफाना हरकत मान रहा है। डॉन ने लीपापोती करते हुए लिखा, 'फिलहाल, शत्रुता समाप्त हो गई है। और अब इस मामले को और बिगड़ने से रोकना चाहिए। हालांकि अतीत में छोटे स्तर की झड़पें हुई, लेकिन हाल के वर्षों में यह सबसे बड़ी झड़प है।'

तालिबान शासन ने 85 पाकिस्तानी सैनिकों-अफसरों को ढेर किये जाने का दावा किया है। जबकि पाक सेना के जनरल केवल 23 सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार कर रहे हैं। सबसे मुश्किल में सियासतदां फंसे हैं। 'खुद मियां फजीहत' जनता को जवाब कैसे दें? राष्ट्रपति जरदारी ने 'भारत द्वारा प्रायोजित' आतंकवाद के खतरे को 'क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अफगानिस्तान की हालिया 'उकसावे वाली कार्रवाइयों' की कड़ी निंदा की, और दोहराया कि पाकिस्तान राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेगा।

दरअसल, इन्हें भारत का डर सताने लगा है कि इस बार डुरंड लाइन पर कोई 'ग्रेट गेम' दिल्ली की तरफ से न हो जाये। डुरंड रेखा अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी एक अंतरराष्ट्रीय सीमा है। यह रेखा पश्तून जनजातीय क्षेत्र से होकर दक्षिण में बलोचिस्तान से बीच से होकर गुजरती है। ये दोनों इलाके आतंकग्रस्त हैं, जहां कबीलाई क्षत्रपों की चलती है। पाकिस्तान के कॉलमनिस्ट शहीद जावेद बुर्की कहते हैं, 'वाशिंगटन और इस्लामाबाद, दोनों ही इस्लामिक स्टेट-खोरासन और टीटीपी जैसे आतंकी समूहों को नियंत्रण में लाने में काबुल की मदद चाहते हैं।'

अफगानिस्तान की आर्थिक नाकेबंदी अब भी अमेरिका ने कर रखी है। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के अरबों डॉलर की डिपॉजिट पर अमेरिका जिस तरह कुंडली मारे बैठा है, उससे इस देश की बैंकिंग प्रणाली चरमरा रही है। अमेरिका की आंखें अफगान जमीन के नीचे छिपे दुर्लभ खनिजों पर गड़ी हैं। दुनिया मानती है कि अफगानिस्तान में समृद्ध खनिज संसाधनों के भंडार हैं, जो कई मूल्यवान उत्पादों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, विमान, मिसाइल, चिकित्सा उपकरण, घरेलू उपकरण और अन्य उच्च-मूल्य वाले उत्पादों के निर्माण में महत्वपूर्ण घटक हैं।

पेंटागन ने बहुत पहले उसका सर्वे करा लिया था, जब मित्र सेनाएं तैनात थीं। माना जाता है कि यह खरबों डॉलर में है। दुर्लभ खनिजों से भरा क्षेत्र कजाकिस्तान से शुरू होकर अफगानिस्तान- पाकिस्तान के कबायली इलाकों में समाप्त होता है। चीन की उपस्थिति भी इसी वजह से है। और इन सबों को डर भारत से है, कि यदि दिल्ली ने अफगानिस्तान में इस बार सही से डेरा जमा लिया, तो फिर दुर्लभ खनिजों की बंदरबांट सहजता से नहीं हो पायेगी।

इस बार पाकिस्तान के खिलाफ अफगान पब्लिक भी सड़क पर उतर आई है। उसकी वजह शरणार्थी हैं। करीब 18 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी आर्थिक मंदी और कठोर प्रतिबंधों की वजह से देश लौटने को मजबूर हुए हैं। सबसे भयावह तस्वीरें ईरान और पाकिस्तान से वापस भगाये गए अफगान शरणार्थियों की है। इसलिए, पाकिस्तान के जो लोग मुस्लिम एकता की बात करते हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए, क्या भय और गुरबत से भागे अफगान शरणार्थी मुसलमान नहीं थे? केवल एक साल में पाकिस्तान से 3,52,000 अफगान शरणार्थी भगाये गए हैं। पाक अधिकारियों ने उन्हें अस्थायी शरणार्थी कार्ड देना बंद कर दिया। जिनके वीजा समाप्त हो गए, उन लोगों को पकड़ने के लिए छापेमारी तेज कर दी। आज जब लगा, कि तालिबान नेतृत्व युद्ध की स्थिति में भारत से मदद ले सकता है, तो 'मुस्लिम सॉलिडरिटी' का अनहद नाद आरम्भ हो गया।

बाहर देखने पर यह लग रहा है, कि अफगानिस्तान-भारत के बीच आर्थिक और मानवीय सहयोग के हवाले से कूटनीति हो रही है, लेकिन पाकिस्तान के रणनीतिकार इसकी पड़ताल में लगे हैं कि नई दिल्ली, काबुल को इंटेलिजेंस शेयरिंग से लेकर सैन्य साजो-सामान की मदद तो नहीं कर रहा है? 12 मार्च, 2013 को तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटनी ने संसद को जानकारी दी थी, कि 4 अक्तूबर, 2011 को अफगानिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी समझौता (एसपीए) हुआ था, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग का प्रावधान करता है। 'एसपीए' के अंतर्गत भारत, अफगान राष्ट्रीय सुरक्षाबलों के प्रशिक्षण, उपकरण और सैन्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में सहायता करने का संकल्प लिया गया था। इसकी धाराओं में स्पष्ट है कि रक्षा क्षेत्र में भारत की सहायता अफगानिस्तान सरकार के विशिष्ट अनुरोधों पर आधारित होगी।' वह रणनीतिक समझौता हामिद करजई की मौजूदगी में नई दिल्ली में हुआ था। रावलपिंडी की नींद 'एसपीए' की वैधता को लेकर उड़ी हुई है, जिसे आधार बनाकर मुत्ताकी भारत से सैन्य मदद मांग सकते हैं।

चिदंबरम के कहने का क्या है अर्थ

बलबीर पुंज

दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के हालिया खुलासे का निहितार्थ क्या है? 17 साल पहले जब वर्ष 2008 में मुंबई पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित भीषण 26/11 आतंकवादी हमला हुआ, जो चार दिनों तक चला, जिसमें सीमापार से आए दस जिहादियों ने 166 मासूमों को मौत के घाट उतारा और देश का एक बड़ा वर्ग प्रतिशोध की ज्वाला में धधकता रहा-तब तत्कालीन कांग्रेस नीत तत्कालीन संप्रग सरकार (2004-14) विदेशी दबाव-विशेषकर अमेरिकी नेतृत्व के कहने पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिकार स्वरूप कोई भी सैन्य कार्रवाई करने से पीछे हट गई। बकौल चिदंबरम, उस वक्त मेरे मन में आया कि बदला लेना चाहिए।।। मैंने प्रधानमंत्री और बाकी अहम लोगों से इस मामले पर चर्चा की थी, लेकिन निष्कर्ष काफी हद तक विदेश मंत्रालाय और विदेश सचिवों से प्रभावित था कि हमें स्थिति पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, इसकी जगह कूटनीतिक तरीका अपनाना चाहिए। उन्होंने आगे स्वीकार किया, उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, मेरे पद संभालने के दो-तीन दिन बाद मुझसे और प्रधानमंत्री से मिलने आई थीं। उन्होंने कहा था कि प्रतिक्रिया नहीं दें। मुझे पी. चिदंबरम के बयान पर कोई हैरानी नहीं। दरअसल, यह मानसिकता न ही देश में नई है और न ही चिदंबरम का यह मानस 2008 के आतंकी हमले तक सीमित है।

बात ज्यादा पुरानी नहीं है। अमेरिकी-यूरोपीय प्रतिबंधों के दबाव में 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पोखरण परमाणु परीक्षण रोक दिया था। लेकिन 1998 में अटल बिहारी वाजपेयीजी ने दोबारा सत्ता में आते ही इन पश्चिमी धमकियों को नजरअंदाज करके पोखरण में परीक्षण किया और भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित भी कर दिया। आज जो चिदंबरम 26/11 के समय अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं करने की बात स्वीकार रहे है, उन्हीं चिदंबरम ने 27 मई 1998 को लोकसभा में चर्चा करते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण को सत्ता-लोलुप एजेंडा और नैतिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए कहा था-हम परमाणु हथियार बनाने के खिलाफ हैं, हम परमाणु बमों का भंडार तैयार करने के खिलाफ हैं, हम इन हथियारों को सेना में शामिल करने के खिलाफ हैं, और हम भारत को हथियारों की दौड़ में झोंकने के भी खिलाफ हैं। आपने जो किया है, उससे हमारे दोनों बड़े पड़ोसी अब दुश्मन बन गए हैंज। क्या 1998 और 2025 में प्रकट चिदंबरम के मानस में कोई अंतर दिखता है? क्या बकौल चिदंबर 1998 से पहले भारत के पाकिस्तान और चीन से संबंध मधुर थे?

वर्ष 1962 में भारत को वामपंथ शासित चीन के हाथों शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी थी, जिसमें देश ने अपनी हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन भी खो दी। यह सब नेहरूजी की आत्ममुग्धता में चीन की कुटिल साम्राज्यवादी नियत को न समझ पाने का नतीजा था। पंचशील समझौता, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को देना और 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' जैसे नारे अंत में भारत के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हुए। ऊपर से अमेरिका के सामने पं. नेहरू द्वारा बार-बार मिन्नतें करने से देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंची। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी ब्रूस रीडेल ने अपनी किताब जेएफके फॉरगॉटन क्राइसिस तिब्बत, द सीआईए एंड द सीनो-इंडियन वॉर में पं. नेहरू द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को लिखे गुप्त खतों के कुछ हिस्से उजागर किए हैं। इन पत्राचारों में नेहरूजी ने लिखा था-हमें 12 स्क्वाड्रन सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है। हमारे पास आधुनिक राडार व्यवस्था नहीं है, इसलिए जब तक हमारे सैनिक तैयार नहीं हो जाते, तब तक इन विमानों और राडारों का संचालन अमेरिकी वायुसेना को करना होगा। साफ है कि तब नेहरूजी ने अमेरिका के सामने भारत का स्वाभिमान गिरवी रख दिया था।

इसी तरह वर्ष 1965 के युद्ध में जब भारतीय सेना लाहौर में पहुंच गई थी, तब अगले साल ताशकंद जाकर जो कुछ हमने जीता था, उसे सोवियत संघ (रूस) की मध्यस्थता में लौटा दिया गया। इस फैसले का रणनीतिक औचित्य आज तक साफ नहीं है। क्या इससे पाकिस्तान ने अपना रवैया बदला? नहीं। उल्टा, ताशकंद समझौते के दौरान प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की रहस्यमयी मौत ने उस समझौते को और भी संदिग्ध बना दिया। इससे पहले, 1960 में नेहरूजी ने पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल समझौता' भी किया था, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ था। निसंदेह, वर्ष 1971 के युद्ध में भारत ने ऐतिहासिक फतह हासिल की और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर उसके 93,000 फौजियों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया था। परंतु शिमला संधि के तहत इंदिरा सरकार ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर के एक हिस्से (पीओके) पर कोई अंतिम निर्णय लिए बिना पाकिस्तानी युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। युद्ध के दौरान इंदिराजी ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को खत लिखकर पाकिस्तान की जंगबाज़ी रोकने की गुजारिश भी की थी।

यह अक्टूबर का माह है। 1947 में इसी महीने की 22 तारीख को अर्थात् स्वतंत्रता के लगभग दो माह पश्चात पाकिस्तान ने कबाइलियों के साथ मिलकर कश्मीर पर हमला कर दिया था। तब जम्मू-कश्मीर रियासत का अधिकांश मुस्लिम सैन्यबल इस्लाम के नाम पर शत्रुओं से जा मिला था। भारत में विलय की औपचारिकता पूरी होने के बाद जब भारतीय सेना ने मोर्चा संभाला और वह कश्मीर को अपने नियंत्रण में लेने लगी, तब पूरे कश्मीर को पाकिस्तानियों से मुक्त कराए बिना पं. नेहरू ने युद्धविराम और जनमत संग्रह की घोषणा कर दी। यदि यह तीन हिमालयी भूलें (गद्दारी सहित) नहीं हुई होती, तो आज कश्मीर की स्थिति कुछ और होती। वास्तव में, दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है। सतत आर्थिक तरक्की के बीच भारतीय सेना अब किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ उत्तर देने को स्वतंत्र है। सर्जिकल स्ट्राइक, सिंधु समझौते का स्थगन और 'ऑपरेशन सिंदूर'— इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा झीटकाटोला ग्राम पंचायत में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा कलवर खदान क्षेत्र के झीटकाटोला ग्राम पंचायत में दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आयोजित मासिक स्वास्थ्य जांच श्रृंखला का हिस्सा था। शिविर में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के साथ–साथ एनीमिया और सिकल सेल एनीमिया की भी जांच की गई। शिविर में कुल 54 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया एवं मरीजों को आवश्यक दवाइयाँ नि:शुल्क प्रदान की गईं। इस अवसर पर महाप्रबंधक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) शिवराजन, उप प्रबंधक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) कमल वर्मा, बुधेलाल तथा राजहरा माइंस की ओर से प्रवीन राय उपस्थित रहे। माइंस हॉस्पिटल से डॉ. पांडेय और जिला चिकित्सालय कांकेर की ओर से आए नर्सिंग स्टाफने सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय आजीविका मिशन ने बदली महिलाओं की किस्मत

दुर्ग। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण अंचलों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। दुर्ग जिले के ग्राम बोरीगरका की सिद्धी स्वसहायता समूह की महिलाएं इस योजना का उत्कृष्ट उदाहरण बन गई हैं। पिछले पांच वर्षों से ये महिलाएं मोमबत्ती निर्माण का कार्य कर आर्थिक रूप से सशक्त बन चुकी हैं। समूह की अध्यक्ष पुष्पा साहू ने बताया कि उनके समूह में कुल 11 महिलाएं हैं, जो हर वर्ष दिवाली के अवसर पर सुंदर और आकर्षक डिजाइनर कैंडल तैयार करती हैं। महिलाओं द्वारा निर्मित मोमबत्तियों की मांग जगदलपुर, बस्तर, बिलासपुर सहित आसपास के जिलों तक फैली हुई है। उन्होंने कहा कि दिवाली के ऑर्डर को पूरा करने के लिए समूह दो महीने पहले ही कार्य प्रारंभ कर देता है। समूह की सचिव सरोज साहू ने बताया कि वे 2019 से इस व्यवसाय से जुड़ी हैं। कैंडल निर्माण के लिए रायपुर से सांचे और धागे मंगाए जाते हैं, जबकि वैक्स (मोम) स्थानीय बाजार से खरीदी जाती है। वैक्स को पिघलाकर सांचे में डालने के बाद 15 मिनट में मोमबत्ती तैयार हो जाती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उनके समूह ने लगभग 3 लाख रुपये की बिक्री की है, जिससे सभी सदस्य महिलाओं की आय और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है। महिला सदस्य शशि बघेल ने बताया कि समूह के माध्यम से उन्हें शासन की ओर से सहयोग राशि प्राप्त हुई, जिससे व्यवसाय प्रारंभ करने में आसानी हुई।

महिला पंथी को स्थापित करने में स्व. अमृता का योगदान अतुलनीयः कोर्सेवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरखा के सुरता जन कल्याण समिति की ओर से 70 के दशक की ख्याति प्राप्त महिला पंथी कलाकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिनीमाता सम्मान प्राप्त अमृता बारले की द्वितीय पुण्यतिथि पर राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह ग्राम मोरिद भिलाई तीन में आयोजित किया गया। इस दौरान अतिथियों ने पंथी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मुखरता प्रदान करने वाली स्व. अमृता बारले के योगदान का स्मरण किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाडा और विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित तमाम अतिथियों ने शुरुआत में गुरु बाबा घासीदास की आराधना के बाद स्व. अमृता बारले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए संयोजक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि उनकी बहन स्व. अमृता बारले ने विपरीत परिस्थितियों में महिला पंथी की शुरुआत की और जीवन भर पंथी के प्रति समर्पित रही। अहिवारा विधायक राजमहंत डोमलाल कोर्सेवाड़ा ने स्व. अमृता बारले के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सतनामी समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए महिला पंथी को स्थापित करने में उनका योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि स्व. अमृता बारले छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की मिसाल थीं और महिला पंथी कलाकार के तौर पर हमेशा याद की जाती रहेंगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत प्रदेश के ख्याति प्राप्त हरिकीर्तन कर पंडित कामता प्रसाद शरण कुडेरादादर, छुरा गरियाबंद के हरिकीर्तन से हुई। इसके उपरांत महिला पंथी दल माता सफुरा महिला पंथी दल नेवई का पंथी नृत्य, लक्ष्मीकांत जडेजा भटगांव जिला मुंगेली, मांदरी नृत्य गढ़िया बाबा आदिवासी मांदरी नृत्य सरईटोला नगरी , भरथरी हिमानी वासनिक राजनादगांव , महिला पंथी सत्संग महिला पंथी नृत्य दल खुर्सीपार भिलाई, भरथरी कल्याणी बारले आशीष नगर रिसाली सुवा नृत्य सुवा सखी सहेली नेवई , गेड़ी नृत्य,आदिवासी गेड़ीनृत्य गुन्ड़पारा सिहावा, पारम्परिक पुरुष पंथी अश्वन डहरिया,सहदेव बंजारे, बिरेंद्र टन्डन,जोगांश चेलक, सतानंद बंजारे व शैलेन्द्र धृतलहरे द्वारा पंथी नृत्य प्रस्तुत किया गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय मांदर वादक गौकरण दास बघेल के नेतृत्व में 50 मादर वादकों का एक साथ जुगलबन्दी की अनूठी प्रस्तुति दी। वहीं ख्याति प्राप्त लोक गायक तुषान्त बारले ने अपने समूह के साथ रंगारंग प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में सरोज बाला पाहित भिलाई व प्रियंका जांगड़े बालिका पंथी दल कोडेवा जिला बालोद को महिला पंथी नृत्य को बढ़ावा देने और भरथरी गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हिमानी वासनिक को अमृता बारले स्मृति सम्मान प्रदान गया। इनके अलाव प्रदेश के वरिष्ठ 25 पंथी कलाकारों को पंथी शिखर सम्मान , राज्य के 12 जिले के जूनियर 35 कलाकारों को पंथी कला रत्न सम्मान , 3 उत्कृष्ट महिला कलाकारों को नारी शक्ति सम्मान और 7 विशिष्ट व्यक्तियों को ग्राम गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इनके साथ प्रदेश के 15 ख्याति प्राप्त लोक गायक ,गायिकाओ को छत्तीसगढ़ भुइय्या सम्मान प्रदान किया गया। इनमें कविता वासनिक, छाया चन्द्राकर, हिरेश सिन्हा , जितेश्वरी सिन्हा , चम्पा निषाद ,छालीवुड कलाकार उर्वशी साहू , उपासना वैष्णव रायपुर, तारा कुलकर्णी पचेड़ा , चंद्रिका मोरिया बालोद , विनीता सन्तोष ढीमर, पुष्पा शंकर साहू , तुषान्त बारले , पायल साहू और खुमेश मानिकपुरी शामिल है। आयोजन के वैचारिक सत्र में ''महिला पंथी नृत्य में अमृता बारले का योगदान'' विषय पर प्रमुख वक्ता भरत लाल कुर्रे ने अपने विचार रखे। वहीं ''महिला पंथी नृत्य का महिला सशक्तिकरण पर प्रभाव'' विषय पर भूपेंद्र चाणक्य तवेरा बालोद ने अपना वक्तव्य दिया।

दिन भर चले आयोजन में कई प्रमुख अतिथियों का आगमन हुआ। अतिथियों ने महिला पंथी की पुरोधा स्व. अमृता बारले को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया।इनमें केश शिल्प कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन रायपुर ,इंद्रजीत (छोटू) समाज सेवी, ओजस्वी मंडावी , सदस्य छत्तीसगढ़ महिला आयोग ,दन्तेवाड़ा, डॉ चुरामन सिंह साहू वरिष्ठ कवि बेरला , वरिष्ठ समाज सेवी होरी राम डड़सेना खरसिया रायगढ़, सुनील ठाकुर पूर्व सदस्य कर्मकार बोर्ड , डॉ रोहित मिरी एसोसिएट प्रोफेसर सीएसवीटीयू भिलाई , गीता बंजारे राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित रिसाली, वाय अप्पल नायडू समाज सेवी भिलाई , शैलेंद्र शैली जिला भाजपा मंत्री दुर्ग और राजू लाल नेताम ने प्रमुख कलाकारों को सम्मानित भी किया।

भिलाई चेम्बर के उद्योग विंग की टीम ने डिप्टी सीएम अरुण साव से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उद्योग विंग की टीम ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव व पवन साय से सौजन्य मुलाकात की। टीम का नेतृत्व चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन ने किया। बैठक में अजय भसीन ने भिलाई उद्योग क्षेत्र की प्रमुख समस्या रखते हुए बताया कि नगर निगम भिलाई द्वारा सभी उद्योगों पर निर्यात कर का अतिरिक्त भार डाला जा रहा है, जो पूर्णतः अनुचित, अनैतिक एवं दोहरे कराधान की श्रेणी में आता है।

उन्होंने उपमुख्यमंत्री जी को बताया कि जीएसटी व्यवस्था लागू होने के बाद किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर लगाना उद्योगों के लिए आर्थिक बोझ है। इस कर से उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिससे मूल्य वृद्धि अनिवार्य होगी और इसका सीधा असर सामान्य उपभोक्ता की जेब पर पड़ेगा। श्री भसीन ने कहा कि यह निर्णय उद्योग जगत के हितों के विपरीत है और ऐसा प्रतीत होता है जैसे उद्योगों के खिलाफ कोई साजिश रची जा रही हो।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी तथा उद्योगों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। भिलाई चेम्बर की टीम ने शासन से अनुरोध किया कि इस अनैतिक कर व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाई जाए ताकि उद्योग जगत और उपभोक्ताओं दोनों को राहत मिल सके।

महापौर बघमार ने किया पोषण जागरूकता शिविर में हुई शामिल, मिलेट्स को बताया सुपरफूड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. जांबुलकर के दिशानिर्देश एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास परियोजना, दुर्ग शहरी द्वारा परियोजना स्तरीय पोषण माह 2025 के अंतर्गत पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक 40 सिविल लाइन सामुदायिक भवन में किया गया।

कार्यक्रम में महापौर अलका बघमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के साथ बच्चों के समुचित विकास हेतु संतुलित आहार और मिलेट्स का सेवन बेहद जरूरी है। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि बच्चों को जंक फूड से दूर रखकर मिलेट्स से बने पौष्टिक व्यंजन जैसे नूडल्स, इडली, डोसा आदि को आहार में शामिल करें। महापौर ने यह भी कहा कि आज के समय में बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत से बचाव के लिए उन्हें खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में एमआईसी मेंबर महिला एवं बाल विकास विभाग शशि द्वारका साहू,श्रीमती सरिता चंद्राकर, और पार्षद मनीष कोठारी,विनोद चंद्राकर उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की सराहना की।

शिविर में तीन गर्भवती महिलाओं नेहा यादव, थानेश्वरी साहू और हिना बघेल का गोदभराई संस्कार किया गया, वहीं तीन बच्चों सागर, नमन और नेमत का अन्नप्राशन संस्कार सम्पन्न हुआ। परियोजना अधिकारी अनिता सिंह ने कार्यक्रम में राष्ट्रीय पोषण माह 2025 की थीम और उद्देश्य के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। पर्यवेक्षकगणों द्वारा पोषण आहार, महतारी वंदन योजना के नए ई–केवाईसी अपडेट, फेस रिकॉग्निशन सिस्टम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, और विभागीय अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रभा कुठारे ने रेडी टू ईट आहार को छह भागों में बाँटकर उसके सही उपयोग के बारे में बताया।

बीएसपी को 'सबसे पुराना बीआईएस लाइसेंसी' सम्मान से नवाजा गया, वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे 2025 पर मिला प्रतिष्ठित अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी को ब्यूरो ऑफइंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस), रायपुर शाखा द्वारा 'सबसे पुराना बीआईएस लाइसेंसी' होने के नाते सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे 2025 के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। इस वर्ष का थीम शेयरड विज़न फॉर अ बेटर वर्ल्ड ङ्क स्टैंडर्ड्स फ ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स था।

माननीय मुख्यमंत्री, विष्णु देव साय ने भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रतिनिधियों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (गुणवत्ता), राहुल श्रीवास्तव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में औद्योगिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती उपस्थित रहे और मुख्य औद्योगिक गणमान्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया। यह आयोजन साइंटिस्ट ई, डायरेक्टर एवं हेड, बीआईएस रायपुर शाखा, एस. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री सहित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, दयालदास बघेल व अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के पास प्लेट्स, टीएमटी बार्स, स्ट्रक्चरल स्टील और सेमी–फिनिश्ड उत्पाद जैसे स्लैब और ब्लूम्स सहित कुल 10 बीआईएस लाइसेंस हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र 1963 से बीआईएस के साथ जुड़ा हुआ है और लगातार प्रमाणन मानकों का पालन करते हुए गुणवत्ता में उत्कृष्टता सुनिश्चित करता रहा है। बीएसपी ने राष्ट्रीय महत्व की अनेक परियोजनाओं में स्टील की आपूर्ति कर महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिनमें बुनियादी ढांचा, परिवहन, रक्षा और औद्योगिक विकास शामिल हैं।

उत्पादन में उत्कृष्टता के अलावा, बीएसपी बीआईएस तकनीकी समितियों में सक्रिय भूमिका निभाता है और विभिन्न स्टील उत्पादों के लिए राष्ट्रीय मानकों के विकास और अपडेट करने में योगदान देता है। प्लांट की तकनीकी विशेषज्ञता भारत में स्टील गुणवत्ता ढांचे को मजबूत करती है और पूरे उद्योग में मानकीकरण को बढ़ावा देती है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में विज क्वेस्ट 2025 मेगा सतर्कता क्विज का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा 18 अगस्त से 17 नवम्बर 2025 तक संचालित तीन माह व्यापी सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहयोग से विगत दिनों में विज क्वेस्ट2025 मेगा क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालकों एवं गैर–कार्यपालकों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), सतर्कता कार्यप्रणाली, संगठनात्मक प्रणाली, नियमावली, प्रक्रियाओं एवं मानकों जैसे आईएसओ 37001:2016 (एबीएमएस), पीसीपी 2020 तथा सेल सीडीए नियमों के प्रति ज्ञान एवं जागरूकता बढ़ाना है। इस प्रतियोगिता में 15 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंतिम परिणामों में विजेता टीम में वरिष्ठ प्रबंधक निवेश विजयन, तथा एडमिनिस्ट्रेटीव एसोसिएट के. वेंकट प्रसाद राव शामिल रहे। प्रथम उपविजेता टीम में सहायक महाप्रबंधक उमेश कुमार साहू, एवं इंजीनियर एसोसिएट रंजन गोस्वामी थे, जबकि द्वितीय उपविजेता टीम में वरिष्ठ प्रबंधक सोनल श्रीवास्तव, एवं इंजीनियर एसोसिएट (आरसीएल) प्रीति रावत सम्मिलित रहीं।

शीर्ष तीन विजेताओं के अतिरिक्त तीन प्रोत्साहन पुरस्कार तथा दर्शक सहभागिता पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

स्टूडेंट्स ने वेस्ट को बनाया बेस्ट, क्रिएट कर दिया इनोवेटिव और क्रिएटिव आर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एजुकेशन हब भिलाई के कल्याण कॉलेज में स्टूडेंट्स ने वेस्ट से बेस्ट मटेरियल को बनाकर नवाचार का परिचय दिया है। बॉटनी डिपार्टमेंट के बच्चों ने 'क्रिएटिव आर्ट वर्क्स' का आयोजन किया। इसमें अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी सामग्री बनाकर एग्जीबिशन लगाया गया। एग्जीबिशन में बच्चों की प्रतिभा की खूब प्रशंसा हुई। इसमें बच्चों ने कमाई भी की।

कॉलेज में साइंट फैकल्टी के हेड और बॉटनी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ.गुणवंत चन्द्रौल ने कहा कि ऐसा एग्जीबिशन हर साल लगाया जाता है। एग्जीबिशन से पहले एक्सपर्ट्स से बच्चों की बाकायदा ट्रेनिंग भी कराई जाती है। ताकी बच्चें क्रिएटिव बन पाए। इससे इनोवेटिव बच्चें और अधिक उत्कृष्ट सामग्री का निर्माण कर पाए। कॉलेज स्थित बॉटनी विंग की गैलरी में आयोजित 'क्रिएटिव आर्ट वर्क्स' का आयोजन दो दिनों तक किया गया। इसमें प्रमुख रूप वेस्ट आइसक्रीम कप से पेपर वेट, प्रीमियम वाइन के एमटी बॉक्स से फ्लावर पॉट, फिनायल की वेस्ट बॉटल से मनी प्लांट पॉट, पेपर और ग्लाइडर शीट से झूमर, कलर्ड लैंप, पेपर और मौली धागा से दिवाली के लिए सजावटी आइटम, जूट से पैन स्टैंड, वेस्ट क्लॉथ से ट्री पॉट, आइसक्रीम के वेस्ट कप से अगरबत्ती और धूपबत्ती स्टैंड को कलात्मक ढंग से बनाया गया। इसके अलावा स्टूडेंट्स द्वारा सीमेंट, थर्माकोल, जूट, वॉल पुट्टी, ऊन, आइसक्रीम स्टीक, कांच और प्लास्टिक बॉटल आदि ऐसे अनुपयोगी वस्तुओं को सुंदर और आकर्षक ढंग से आकार देकर बहुपयोगी और मनमोहन रूप से सजाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों की क्रिएटिविटी में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अन्य डिपार्टमेंट में भी ऐसे क्रिएटिव और इनोवेटिव इवेंट होने चाहिए ताकि स्टूडेंट स्टडी के साथ–साथ अन्य प्रतिभाओं में निपुण हो सके। दो दिवसीय एग्जीबिशन में बॉटनी डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका साहू, पंकज कुमार जैन, मनमीता सिंह राजपूत, राकेश साहू, गुलेश्वरी साहू, ललीता की उल्लेखनीय भूमिका रही।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीनियर प्रोफेसर और कॉमर्स फैकल्टी के हेड डॉ.सलीम अकील, आट्र्स फैकल्टी के हेड डॉ.लखन चौधरी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह, डॉ.बनीता सिन्हा व अन्य फैकल्टी, डिपार्टमेंट के प्रोफेसर, कर्मचारी, स्कॉलर्स और स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

फूड स्टॉल में रही भीड़

'क्रिएटिव आर्ट वर्क्स' में फूड स्टॉल भी लगाया गया। इसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजन में चीला, फ रा और आलू गुंडा से लेकर चाइनीज डिश को बच्चों ने बनाया। यहां स्टूडेंट्स द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजनों को खाने खूब भीड़ लगी रही।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रायपुर जिले में 561 नए मतदान केन्द्रों की मंजूरी

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण किया गया। इस प्रक्रिया के तहत नए मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। आयोग द्वारा रायपुर जिले में कुल 561 नए मतदान केन्द्रों को अनुमोदित किया गया।

बढ़े हुए मतदान केन्द्रों की सूची का अंतिम प्रकाशन 9 अक्टूबर 2025 को किया गया। इसके अंतर्गत विधानसभावार स्वीकृत केन्द्रों की संख्या इस प्रकार है। 45-बलौदाबाजार (तिल्दा तहसील) 07 केन्द्र, 47-धरसीवा 48 केन्द्र, 48-रायपुर ग्रामीण 164 केन्द्र, 49-रायपुर नगर पश्चिम 102 केन्द्र, 50-रायपुर नगर उत्तर 55 केन्द्र, 51-रायपुर नगर दक्षिण 91 केन्द्र, 52-आरंग 54 केन्द्र, 53-अभनपुर 40 केन्द्र शामिल हैं। इन नए केन्द्रों के जुडने़ से जिले में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 2484 हो गई है। संशोधित सूची को जिले की अधिकृत वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिससे नागरिक विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नगर निगम रायपुर के जोन-6 कमिश्नर ने गंदगी पाए जाने पर बेकरी को तत्काल किया सीलबंद

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम में प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही

और नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव ने जोन 6 अंतर्गत संजय नगर में कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हजारी सहित जोन 6 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में अमानत बेकरी की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेकरी में गंदगी पायी गयी एवं प्राप्त जनशिकायत सही पाई गई।

नया बस स्टैंड में किया गया निःशुल्क दीया एवं रंगोली वितरण

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा एक दीया श्रीराम के नाम के दूसरे दिन नया बस स्टैंड में दीया रंगोली वितरण किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा नया बस स्टैंड में यात्रियों एवम बस ड्राइवर कंडक्टर साथ में सफाई कर्मचारी और कुलियों को रंगोली पैकेट दिए गए। सोहन साहू का परिवार जो जशपुर का रहने वाला है सोहन ने कहा पहला दीया में अपने मंदिर में रामजी के नाम से जलाकर पूजा अर्चना करूंगा।

बीजेपी प्रदेश मंत्री अमित साहू ने कहा श्रीराम के जयकारे के साथ दिवाली की आगाज हुई और बड़ा संघर्ष के बाद श्रीराम मंदिर बना अयोध्या में सभी नागरिक बंधु से आग्रह अपने अपने घर में श्रीराम के नाम पे दीया जलाकर दिवाली बनाए। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश मंत्री अमित साहू सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ अर्पित सूर्यवंशी तेजकुमार बजाज चंदर देवानी किशोर आहूजा नरसा लालवानी सुनील कुकरेजा नितिन कृष्णानी सुधीर रमानी राजेश रेलवानी मोहन वलयानी धनेश मटलानी रितेश वाधवा महेश खिलनानी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भेंट कर विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

आरएसएस शताब्दी वर्षः हिंदू समाज में फूट डालने के कुचक्र से रहें सावधान : गोपालराम यादव

बागबाहरा में स्वयंसेवकों का प्रभावी पथ संचलन, व शस्त्र-पूजन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष समारोह की श्रृंखला में बागबाहरा मंडल में विजयादशमी उत्सव और पथ संचलन का आयोजन किया गया। यह उत्सव रास्वसं की एक सदी की राष्ट्र-साधना और भविष्य के 'पंच परिवर्तन' के संकल्प को समर्पित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिर से स्वयंसेवकों के पथ संचलन से हुई। घोष दल की लयबद्ध ताल पर स्वयंसेवकों की कदमताल संगठन के उच्च अनुशासन और एकता का प्रतीक था। पथ संचलन जब बागबाहरा नगर के विभिन्न मोहल्लों व मार्गों से गुजरा तो एक अभूतपूर्व दृश्य दिखा। मातृशक्ति और नगर के नागरिकों ने जगह-जगह छतों से, सड़कों व गलियों में संचलन पर पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का आत्मीय स्वागत किया। यह सम्मान संघ के राष्ट्र निर्माण के कार्यों के प्रति समाज की गहरी आस्था और स्वीकृति का

स्पष्ट प्रमाण था।

पथ संचलन के पश्चात सरस्वती शिशु मंदिर में प्रकट बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शस्त्र पूजा और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर नैकूराम ठाकुर (सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी) मुख्य अतिथि और सह प्रांत कार्यवाह गोपालराम यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता यादव ने कहा कि आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने विजयादशमी 1925 को नागपुर के मोहितेबाड़ा में संघ की स्थापना की थी। उन्होंने संघ के संघर्षों का वर्णन करते हुए कहा कि संघ के मार्ग में अनेक विपत्तियां आई और सरकारी बाधाएँ भी डाली गईं, लेकिन इन चुनौतियों के बाद भी संघ कार्य अनवरत जारी है। यादव ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत भूमि में शौर्य और साहस की कोई कमी नहीं है, यह शैशवावस्था से ही क्रांतिकारियों, महापुरुषों और देशभक्तों की भूमि रही है।

सह प्रांत कार्यवाह यादव ने कहा कि संघ अपना कार्य करता है, कार्य का प्रचार प्रसार नहीं करता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा व्यक्ति निर्माण का कारखाना हैं, जिससे निर्मित व्यक्ति आज समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में परिष्करण का कार्य कर रहे हैं। यादव ने कहा कि भारत में रहने वाला 99.999 प्रतिशत हिंदू हैं, चाहे वह किसी भी मत को मानने वाले हों। आज हिंदू समाज के कुछ अंगों को तोड़ने का प्रयास जारी है, उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। संघ किसी के विरोध में कार्य नहीं करता है। संघ भारत के हित, हिंदू हित में कार्यरत है। संघ के कार्यकर्ता अपनी चमड़ी, अपनी दमड़ी लगाकर संघ का कार्य निःस्वार्थ भाव से करते हैं। यादव ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित होना होगा, क्योंकि संगठन में शक्ति है। दुर्बलों की बात कोई मानता नहीं है और सबलों की बात कोई टालता नहीं हैं। यादव ने अपने सम्बोधन में शताब्दी वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण संकल्प 'पंच परिवर्तन' का प्रण भी दुहराया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि ठाकुर ने संघ की निःस्वार्थ सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि संघ 1925 से प्रारंभ होकर आज तक एक विशाल वट वृक्ष बनकर भारत को सेवा रूपी छाया प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का एकमात्र सर्वव्यापी संगठन है, जो देश, धर्म, और दुनिया के प्रति गहरी श्रद्धा रखता है। बागबाहरा का यह सफल आयोजन शताब्दी वर्ष की यात्रा में ऊर्जा और दृढ़ता का संचार करता है, जिसका मुख्य लक्ष्य सामाजिक समरसता, पंच परिवर्तन और राष्ट्र सेवा के प्रति संगठन को समर्पित करना है।

खेल केवल प्रतिभाओं का सम्मान करना ही नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना भी है

सिमगा में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन, सांसद बृजमोहन अग्रवाल हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं में खेल का समावेश उनके अनुशासन, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इसी प्रयास के तहत सांसद खेल महोत्सव का आयोजन सिमगा के कॉलेज ग्राउंड में किया गया, जिसमें रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विकास पुरुष शिवरतन शर्मा ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर कार्यक्रम को नई ऊर्जा प्रदान की।

कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, भाटापारा विधानसभा की ओर से किया गया, जिसमें अतिथियों का बड़े गजमाला से स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इनमें पूर्व मंडी उपाध्यक्ष अनिल पांडे, जिलाध्यक्ष आनंद यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश तिवारी, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. दौलत रामपाल, और अन्य सरपंच, पंच तथा भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम में स्थानीय अधिकारी, शिक्षक, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में नागरिक भी मौजूद रहे।

सांसद ने युवाओं के साथ संवाद करते हुए उन्हें खेलों में सक्रिय रहने और नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और मानसिक मजबूती भी प्रदान करता है। सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य न केवल खेल प्रतिभाओं का सम्मान करना है, बल्कि युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना भी है। कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और स्थानीय युवाओं ने भाग लिया। भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों को सम्मानित और प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव और टीम भावना का विकास संभव है।

इस अवसर पर खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए स्थानीय समिति और अधिकारियों की भी सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में सांसद ने सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और उपस्थित नागरिकों को खेल और शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। सांसद खेल महोत्सव ने युवाओं में खेलों के प्रति रुचि, अनुशासन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल खेल के माध्यम से शारीरिक विकास, बल्कि युवाओं में मानसिक बल और नेतृत्व क्षमता को भी सशक्त करना है।

गुरुकुल महिला महाविद्यालय के ट्रेड फेयर में बीएससी थर्ड सेमेस्टर की छात्राएं रही प्रथम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय के वाणिज्य परिषद द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया जिसमें बीएससी थर्ड सेमेस्टर से प्रशिका लककेवरे, मानसी ठाकुर, महिमा ठाकुर और नम्रता पटेल प्रथम रही। वहीं बीएससी थर्ड सेमेस्टर की ही सेजल देवांगन, ममता देवांगन, नीलिमा देवांगन व सुप्रिया कश्यप ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वालंबन एवं आत्मनिर्भरता की भावना छात्राओं में विकसित करना रहा। इस अवसर पर शासी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी, महाविद्यालय की प्राचार्य शोभा खंडेलवाल एवं डॉ. संध्या गुप्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की छात्राओं द्वारा सृजनात्मक व्यापारिक विचारों को प्रदर्शित करते हुए लगभग 70 टीमों ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने अपने स्टॉलों में हस्तनिर्मित उत्पाद, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ, फैशन एक्सेसरीज, फूड आइटम्स, एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री प्रस्तुत की। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्राओं में उद्यमिता कौशल, व्यवहारिक ज्ञान तथा विपणन की समझ विकसित करना था। छात्राओं द्वारा लगाए गए स्टॉल की प्रस्तुति टीम समन्वयन, विपणन कौशल के आधार पर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । ज्यादा लाभ कमाने वाले छात्राओं को कैश प्राइज दिया गया।

दौलतराम शर्मा महाविद्यालय में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में समाज कल्याण विभाग द्वारा शासकीय दौलतराम शर्मा महाविद्यालय कसडोल में बुधवार को नई दिशा अभियान के तहत नशे से मुक्ति हेतु जागरूकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभाव एवं नशे से होने वाली परेशानियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया एवं नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई गई।

जिला प्रशासन द्वारा जिला चिकित्सालय से नशे के दुष्परिणाम की जानकारी एवं मनोविकास हेतु परामर्श, हम होंगे कामयाब के तहत रोजगार हेतु पोर्टल में क्यु.आर. स्कैन में पंजीयन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्पीड़न, लैंगीग अपराध के संबंध में जानकारी दी गई।

स्वस्थ व अच्छी जीवन शैली के लिए व्यक्ति का मानसिक रूप से स्वस्थ रहना है आवश्यक - डॉ. प्रीति शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, बीरगांव में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श समिति व समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. उषा किरण अग्रवाल, प्राचार्य शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय धमधा रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति शर्मा द्वारा किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में मुख्य वक्ता के व्यक्तित्व और उनके मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वस्थ व अच्छी जीवन शैली के लिए व्यक्ति का मानसिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है। मुख्य वक्ता डॉ. उषा किरण अग्रवाल ने मानसिक स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से मानसिक रोगों के लक्षण, उनके प्रकार, तथा उनके दैनिक जीवन पर दुष्परिणामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही

उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के संपूर्ण विकास का मूल आधार है। डॉ. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य हेतु चलाए जा रहे उपचारों एवं परामर्श विधियों की जानकारी भी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव, चिंता, अवसाद जैसी स्थितियों से निपटने के उपाय बताए तथा आत्म-चिंतन, सकारात्मक दृष्टिकोण, योग और ध्यान को मानसिक संतुलन के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने तनाव को दूर करने नहीं वरन तनाव के साथ जीवन शैली में बदलाव करने, नकारात्मकता से दूर रहने, आशावादिता को अपनाने, तुलना से बचने, प्रत्येक से सही व्यवहार करने आदि सरल माध्यम को अपने जीवन में सम्मिलित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता कोसरिया, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र द्वारा किया गया। डॉ रोसमीना कुजूर,सदस्य,मानसिक स्वास्थ्य परामर्श समिति ने मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय दिया व कार्यक्रम के अंत में डॉ. जितेंद्र यादव, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श समिति के संयोजक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा व सुश्री सोनम बंसोड़ ने तकनीकी कार्य की महती भूमिका का निर्वहन किया। प्राचार्य, प्राध्यापका, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम ने अपनी सहभागिता दी।

विधायक मिश्रा ने नवीन सार्वजनिक शौचालय निर्माण का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 4 अंतर्गत सिविल लाईन वार्ड कमांक 46 के क्षेत्र में आकाशवाणी काली माता मंदिर के समीप उत्कल बस्ती गौरीशंकर मंदिर के पास उत्तर विधायक निधि से नागरिकों को जीवन में स्वस्थ परिवेश उपलब्ध कराने 5 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से शीघ सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवाने रायपुर उत्तर विधायक पुरदर मिश्रा ने वहा पहुंचकर सिविल लाईन वार्ड पार्षद एव निगम एमआईसी सदस्य श्रीमती संजना सतोष हियाल और जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा सहित जोन 4 कमिश्नर अरूण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवागन और उत्कल बस्ती के रहवासी गणमान्यजनो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर शौचालय निर्माण का कार्य प्रारंभ करवाया। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने जोन 4 जोन कमिश्नर एवं कार्यपालन अभियंता को तत्काल सिविल लाईन वार्ड में गौरीशंकर मंदिर के समीप उत्कल बस्ती मे निर्धारित स्थल पर विधायक निधि से नवीन सार्वजनिक शौचालय निर्माण प्रारंभ करवाकर तय समय सीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता सहित प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्पीड़न, लैंगिंग अपराध के संबंध में जानकारी दी गई।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की अदाओं ने लूटी महफिल, लाइव परफॉर्मेंस में इस लुक में आईं नजर

भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम एक वीडियो अपलोड किया है। जिसमें वो रेड साड़ी में दिख रही हैं और सिर पर सतरंगी पगड़ी पहन रखी हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह फैंस के दिलों पर राज करती हैं। वह अपनी अदाओं की वजह से यूट्यूब पर छाई रहती हैं। उनके एक-एक वीडियो को मिलियन व्यूज मिलते हैं। अक्षरा सिंह मंगलवार को कोटा पहुंचीं, जहां वो राजस्थान के सतरंगी रंग में नजर आईं। फैंस ने उनके लाइव परफॉर्मेंस देख जमकर प्यार लुटाया।

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम एक वीडियो अपलोड किया है। जिसमें वो रेड साड़ी में दिख रही हैं और सिर पर सतरंगी पगड़ी पहन रखी हैं। एक्ट्रेस राजस्थान के कोटा में कार्यक्रम के लिए पहुंची थी, जहां उनके साथ सिंगर सुगम सिंह भी दिखे। दोनों ने मिलकर फैंस को नाचने को मजबूर कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने राजस्थानी फोक सॉन्ग कालयो कूद पड़्यो मेळा मैं भी गाया है।

कार्यक्रम का वीडियो शेयर कर अक्षरा ने फैंस का भी दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, आज कोटा में अपने लोगों से प्यार पाकर बहुत अच्छा लगा। कभी-कभी सोचती हूं कहां से कहां पहुंचा दिया आप लोगों ने। बहुत प्रेरक शक्ति दी है मुझे। जब तक हूं, साथ बनाए रखना।

फैंस ने लुटाया प्यार

फैंस भी अक्षरा सिंह के कार्यक्रम की खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'प्रोग्राम में बहुत आनंद आया, बस दुख इस बात का है कि आपसे मिल नहीं पाया।' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'सच में कोटा दशहरा मेला 2025 में भौकाल मचा दिया, गर्दा उड़ा दिया।' इससे पहले अक्षरा सिंह ने एक्टर सोनू सूद के साथ फोटोज पोस्ट की थी। उन्हें व्यक्तित्व का धनी इंसान बताया था। दोनों स्टार्स पटना के एक इवेंट में देखे गए थे। अक्षरा सिंह की नई फिल्म 'रूद्रशक्ति' रिलीज हो चुकी है, जिसमें उनके साथ विक्रांत सिंह राजपूत दिखाई दिए थे।

22 साल में दिल्ली की एक आम लड़की, रातोंरात बनी नेशनल क्रश, पहली ही फिल्म से बॉक्स-ऑफिस पर छाप डाले करोड़ रुपए

इस साल की सुपरहिट फिल्मों का जिक्र होगा तो, एक ऐसी फिल्म को जिक्र तो जरूर जिसने सबको हैरान कर दिया था। वो फिल्म जिसकी रिलीज से पहले कहीं कोई चर्चा नहीं थी। थिएटर में एक, दो पोस्टर दिखे, तो दिखे नहीं तो न प्रमोशनल इवेंट और न कोई पीआर स्टंट। अब बिना शोर-शराबा के ये फिल्म आई और थिएटर में कमाल कर गई। अबतक तो आप समझ गए होंगे कि हम यहां किस फिल्म की बात कर रहे हैं। अगर नहीं, तो चलिए बता ही देते हैं। ये मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा है।

'सैयारा' से मोहित सूरी ने दो नए नवेले एक्टर्स को लॉन्च किया। उन्होंने दो नौसिखिया अहान पांडे और अनीत पड्डा पर दांव लगाया। अब अहान पांडे, तो चंकी पांडे के भतीजे हैं, वो एक तरीके से नेपोकिड हैं। लेकिन फिल्म की एक्ट्रेस अनीत पड्डा का इंडस्ट्री से दूर-दूर तक कोई ताल्लुक नहीं था। एक आउटसाइडर को यशराज की फिल्म से ब्रेक मिलना और पहली ही फिल्म में मोहित सूरी के साथ काम करना बड़ी बात थी। पहली ही फिल्म से अनीत पड्डा रातों-रात स्टार बन गईं। जैसे-जैसे सैयारा का जादू थिएटर्स में छाने लगा वैसे-वैसे वो दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाने लगीं। मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म से डेब्यू करते ही अनीत पड्डा रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। सोशल मीडिया पर हर तरफ बस उन्हीं के चर्चे थे।

14 अक्टूबर को अनीत पड्डा का जन्मदिन था। उनका जन्म साल 2002 में पंजाब के अमृतसर में हुआ था। उन्हें बचपन से ही एक्टिंग का शौक था और यही जुनून उन्हें मुंबई तक खींच लाया। लेकिन मुंबई की रंगीन दुनिया में कदम रखने से पहले एक्ट्रेस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई पूरी की। अनीत की पढ़ाई दिल्ली यूनिवर्सिटी के मशहूर जीसस एंड मैरी कॉलेज (JMC) से हुई। कई रिपोर्ट्स और उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक उन्होंने यहां ह्यूमैनिटीज में ग्रेजुएशन पूरा किया।स्कूली पढ़ाई उन्होंने स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से की।

अनीत पड्डा अपनी पढ़ाई तो करती रहीं, लेकिन उन्होंने अपनी एक्टिंग के सपने को कभी मरने नहीं दिया। वो कॉलेज के साथ-साथ मॉडलिंग, एड फिल्मों के ऑडिशन्स भी देती रहीं और यहीं से उनके सपनों ने उड़ान भरी। एक्ट्रेस को पहला बड़ा ब्रेक एड फिल्म के जरिए मिला। अनीत पड्डा ने एक्टिंग की दुनिया में पहला कदम साल 2022 में काजोल की फिल्म 'सलाम वेंकी' से रखा था। इस फिल्म का निर्देशन रेवती ने किया था और इसमें काजोल ने लीड रोल अदा किया था। अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' अपने अभिनय से छाप नहीं छोड़ पाई थीं।

'सैयारा' अनीत पड्डा के लिए गेम चेंजर साबित हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म 45 करोड़ के बजट में बनी थी और इसने बॉक्स-ऑफिस पर लागत से 10 गुना ज्यादा कमाई कर डाली। सैयारा इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर करीबन 577 करोड़ रुपए का कलेक्शन दर्ज किया। अब अगर अनीत पड्डा की अपकमिंग फिल्मों की बात करें, तो पहली फिल्म से दर्शकों पर जबरदस्त पकड़ बनाने के बाद उनके खाते में कई फिल्में होने की बात कही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनीत ने हाल ही में मां बनी कियारा आडवाणी को उनकी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' में रिप्लेस कर दिया है। इसके अलावा वो कोर्टरूम ड्रामा 'न्याय' में नजर आएंगी।

अंजलि अरोड़ा बनीं 'सीता' तो भड़के यूजर्स-यही बची थी क्या?

'कच्चा बादाम' गाने पर डांस करके वायरल हुई अंजलि अरोड़ा खूब विवादों में भी रही हैं और अब वह एक फिल्म में देवी सीता बनी हैं। हाल ही उनका फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसे देख यूजर्स भड़क गए और पूछ रहे हैं कि सीता के रोल के लिए इसे क्यों लिया?

'कच्चा बादाम' पर डांस करके मशहूर हुई सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार अंजलि अरोड़ा 'मां सीता' बनकर लोगों के निशाने पर आ गई हैं। यूजर्स अंजलि अरोड़ा को खरी-खोटी सुना रहे हैं और कह रहे हैं कि वो देवी सीता को क्यों बदनाम कर रही हैं। दरअसल, अंजलि अरोड़ा जल्द ही फिल्म 'श्री रामायण कथा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह सीता का किरदार निभा रही हैं। हाल ही फिल्म से सीता के किरदार में अंजलि अरोड़ा का फर्स्ट लुक रिलीज किया गया। अंजलि को देखते ही यूजर्स बरस पड़े।

'श्री रामायण कथा' के फर्स्ट लुक में अंजलि अरोड़ा वनवास के लिए गईं देवी सीता के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने गेरुआ रंग की साड़ी पहने और हाथ में फलों की टोकरी लिए नजर आईं। एक और तस्वीर है, जिसमें वह राम बने एक्टर देव शर्मा के साथ रोमांटिक पोज में नजर आ रही हैं। अंजलि को सीता बने देख यूजर्स को अच्छा नहीं लगा और उन्होंने सवाल किया कि जो लड़की इतने विवादों में रही है और कथित एमएमस को लेकर भी सुर्खियों में रही, उसे देवी सीता के रोल में क्यों लिया गया?

सीता बनीं अंजलि अरोड़ा पर यूजर्स ने निकाला गुस्सा, किए ऐसे कमेंट्स

एक यूजर ने लिखा, 'क्यों सीता का नाम बदनाम कर रहे हो?' एक का कमेंट है, 'अब कच्चा बादाम बनेगी सीता।' एक यूजर बोला, 'यार इसको क्यों सीता बनाया? इतनी सुंदर लड़कियां हैं इंडिया में, यही मिली थी क्या इनको?' एक का कमेंट आया, 'यह हमारे धर्म का अपमान है। यह फिल्म रिलीज नहीं होनी चाहिए। लोग इस फिल्म के जरिए हमारी माता सीता के चरित्र पर तरह-तरह के सवाल उठाएंगे। इसका विरोध होना चाहिए।' एक बोला, 'कैसे कैसे लोगों को रोल दे दिया जाता है?' एक यूजर का कमेंट है, 'सीता के रूप में ऐसे घटिया लोगों को दिखाया गया है, जो हिंदू धर्म के लिए कितनी शर्म की बात है। मुंह उठा के सीता बना दिया। कम से कम कोई और धर्म अपने ईश्वर के प्रति अपनी आस्था, प्रेम और सम्मान के साथ ऐसा नहीं करता।'

कैसे चर्चा में आई थीं अंजलि अरोड़ा?

'श्री रामायण कथा' को अभिषेक सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं और दिसंबर में रिलीज होगी। फिल्म में अंजलि अरोड़ा और देव शर्मा के अलावा रजनीश दुग्गल, निर्भय वाधवा और शील वर्मा नजर आएंगे। अंजलि की बात करें, तो वह 'कच्चा बादाम' गाने पर डांस करके सुर्खियों में आई थीं। इसके बाद उन्होंने कंगना रनौत का रियलिटी शो 'लॉकअप' किया। वह कई म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आईं, और अब फिल्म कर रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा प्रेग्नेंट दिख रही हैं, पति के साथ पोज देती एक्ट्रेस से लोग पूछ रहे एक ही सवाल

सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में एक इवेंट पर हसबैंड जहीर इकबाल के साथ नजर आईं। इसी इवेंट से सोनाक्षी की कुछ झलकियां सामने आई हैं जिसे देखकर लोग ये अनुमान लगा रहे हैं एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं। कैमरे के सामने सोनाक्षी हसबैंड के साथ पोज देती दिखीं और इसी दौरान उन्होंने अपना पेट कवर कर रखा था।

शत्रुघ्न सिन्हा ने इन अटकलों का मुंह बंद किया था

हाली ही में सोनाक्षी मनीष मल्होत्रा की पार्टी में भी नजर आईं। अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर सोनाक्षी तब से काफी चर्चा में हैं जब से उन्होंने जहीर से शादी को लेकर अनाउंस किया था। इस शादी पर लोगों ने जमकर बवाल किया। खबरें यहां तक थीं कि सोनाक्षी के दोनों भाई इस शादी से खुश नहीं और इसलिए वे शादी में शामिल नहीं हुए। हालांकि, बाद में शत्रुघ्न सिन्हा ने इन अटकलों का मुंह बंद किया था और कहा था, 'वो भी इंसान हैं, बच्चों को कल्चरल शॉक लगा। अभी शायद उनके अंदर इतनी समझदारी नहीं होगी। मैं उनके भी दर्द को, कंफ्यूजन को, परेशानी को समझ सकता हूं। हो सकता है कि अगर मैं उस ऐज में रहता तो शायद मेरे सोचने का तरीका कुछ और होता।'

प्रेग्नेंसी की अफवाह

सोनाक्षी ने डिजाइनर विक्रम फडनीस के फैशन शो में हिस्सा लिया था और पति जहीर इकबाल के साथ स्टाइलिश अंदाज में शिरकत करती नजर आईं। सोनाक्षी ने इस दौरान कुछ ऐसे पोज दिए जिसे देखकर उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें तेजी से फैल गईं। उन्होंने रेड कार्पेट पर पोज देते समय अपना पेट दुपट्टे और हाथ से ढक रखा था।

मैं स्क्रीन के बाहर बहुत खुशहाल जीवन जीती हूं

अपनी पर्सनल लाइफको लेकर कभी न खत्म होने वाली चर्चाओं पर सोनाक्षी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में एनडीटीवी को बताया था, 'मैंने ऐसे शोर से बचन का एक तरीका ढूंढ लिया है। मैं स्क्रीन के बाहर बहुत खुशहाल जीवन जीती हूं। मैं ठीक और शांतिपूर्ण लाइफजीती हूं। जब मैं काम पर होती हूं तो मुझे ऐसी चीजों से निपटना पड़ता है और मैं इससे बेहतर तरीके से निपट लेती हूं।'

फिटनेस के लिए जिम नहीं, घरेलू काम ही हैं काफी! तन-मन दोनों रहेंगे तंदुरुस्त

अक्सर हम घरेलू कामों को बोझ या जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि ये छोटे-छोटे काम न केवल हमारे घर को साफ-सुथरा रखते हैं, बल्कि हमें एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली भी प्रदान करते हैं। नियमित रूप से किए जाने वाले घरेलू कार्य शरीर को व्यस्त रखते हैं, कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं और मानसिक शांति भी प्रदान करते हैं।

सम्पूर्ण शरीर की कसरत

बर्तन धोना एक साधारण काम लग सकता है, लेकिन यह हमारे हाथ, कलाई और कंधों के लिए एक प्रभावशाली व्यायाम है। यह लो-इम्पैक्ट एक्टिविटी है, जिससे शरीर की गतिविधि बनी रहती है और धीरे-धीरे कैलोरी भी बर्न होती हैं। इसी तरह, झाड़ू-पोछा लगाना एक सम्पूर्ण शरीर की कसरत जैसा है। इसे करते समय शरीर को झुकाना, घूमाना और खिंचाव देना पड़ता है, जिससे विशेष रूप से लोअर बॉडी की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और यह एक तरह से कार्डियो वर्कआउट बन जाता है।

हाथ से कपड़े धोना भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे हाथ, कंधे और पीठ की मांसपेशियों में ताकत आती है और यह कोर मसल्स को मजबूत करने में मदद करता है। वहीं, कपड़े सुखाना और तह करना एकाग्रता, संतुलन और शरीर के मूवमेंट्स के लिए लाभकारी होता है। यह छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण फिजिकल मूवमेंट को बेहतर करता है और मानसिक सतर्कता भी बढ़ाता है।

मानसिक संतुष्टि और ऊर्जा का भी अनुभव

घर की सफाई, जैसे फर्नीचर, पंखे, खिड़की या अलमारी की धूल सफाई, शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों को सक्रिय करती है। यह न केवल एक अच्छा फिजिकल वर्कआउट है, बल्कि इससे मानसिक संतुष्टि और ऊर्जा का भी अनुभव होता है। वहीं, बागवानी एक ऐसा काम है जो तन और मन दोनों को सुकून देता है। पौधों को पानी देना, मिट्टी को खोदना, पौधे लगाना आदि क्रियाएं शरीर की सभी मांसपेशियों को गतिशील करती हैं और यह एक नेचुरल फुल-बॉडी एक्सरसाइज के समान है।

साथ ही यह मानसिक तनाव को कम कर, मन को भी शांति देती है। इसके अलावा, सीढ़ियां चढ़ना एक सरल और प्रभावी कार्डियो एक्सरसाइज है। जब हम लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हैं, तो यह न केवल हृदय गति को संतुलित करता है, बल्कि अतिरिक्त वसा को भी घटाने में मदद करता है। इसलिए अगली बार जब आप घर का कोई काम करें, तो उसे बोझ नहीं बल्कि सेहत का वरदान समझें।

डॉ. रमन सिंह के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री साय ने दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव के स्टेट स्कूल ग्राउंड में युवा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित भव्य समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के जन्मदिन पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. रमन सिंह जी जन-जन के नेता हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को नई दिशा दी। प्रभु से मेरी यही प्रार्थना है कि वे दीर्घायु हों, स्वस्थ रहें और अपना मार्गदर्शन इसी तरह देते रहें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज हम एक ऐसे व्यक्तित्व का जन्मदिन मना रहे हैं, जिन्होंने पंद्रह वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास का नया इतिहास रचा।

उन्होंने कहा कि डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का ऐसा प्रभावी मॉडल तैयार हुआ, जिसे पूरे देश ने अपनाया। गरीबों और वंचितों को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने की यह योजना आज भी उनकी संवेदनशीलता की मिसाल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. रमन सिंह ने किसानों को सशक्त बनाने के लिए धान खरीदी की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया और किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य दिलाया। आज छत्तीसगढ़ अपने किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का भुगतान कर रहा है तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक की खरीदी कर रहा है — यह उनके द्वारा स्थापित मॉडल की निरंतरता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। विशेषकर जनजातीय अंचलों में स्कूलों और अस्पतालों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यही कारण है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दंतेवाड़ा के एजुकेशन सिटी पहुँचे, तो वहाँ के बच्चों से मिलकर उन्होंने राज्य की इस उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि सादगी और मितभाषिता डॉ. रमन सिंह के स्वभाव की पहचान है। वे अपनी विशाल उपलब्धियों के बावजूद सदैव विनम्र रहे हैं। छोटे-बड़े हर व्यक्ति से वे सहजता से मिलते हैं और हर किसी पर अपनी सौम्य व्यक्तित्व की गहरी छाप छोड़ते हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रही है। डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में विधानसभा ने कई नवाचार किए हैं, जैसे प्रबोधन कार्यक्रम, जिसमें विधायकों को संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहन समझ दी गई। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक पद्मश्री कैलाश खेर ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से वातावरण को सुरमयी बना दिया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नवाचार और स्टार्टअप को मिली नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ तथा एनआईटी रायपुर आरआरएफआईई के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ आइडियाथान 2025 के तहत एक दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद में किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर विनय, एनआईटी रायपुर से डॉ. धर्मपाल, श्रीमती मेधा सिंह एवं सुनील देवांगन विशेष रूप से उपस्थित थे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप की अवधारणा, व्यवसाय स्थापना की प्रक्रिया, नवाचार की भूमिका तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

कलेक्टर लंगेह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग नवाचार का युग है। युवाओं को पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर नए विचारों पर कार्य करना चाहिए। शासन द्वारा स्टार्टअप एवं इनक्यूबेशन को बढ़ावा देने हेतु अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ युवाओं को अवश्य लेना चाहिए। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने नवोन्मेषी विचार और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिनकी सराहना अतिथियों द्वारा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, युवा उद्यमी एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभः राज्य शासन ने की विस्तृत तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ किये जाने का निर्णय लिया गया है। धान उपार्जन की प्रक्रिया को अधिक कृषक उन्मुख, दक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा संभागवार जिला स्तरीय अधिकारियों की कार्यशाला सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक नागरिक आपूर्ति निगम के सभाकक्ष में आयोजित की जा रही है।

सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, प्रबंध संचालक, विपणन संघ तथा संचालक, खाद्य विभाग के मार्गदर्शन में रायपुर एवं बिलासपुर संभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को 15 अक्टूबर 2025 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में जिलों से नोडल अधिकारी के रूप में अपर कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर सम्मिलित हुए, साथ ही जिला विपणन अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, उप-पंजीयक / सहायक पंजीयक सहकारिता, संग्रहण केंद्र प्रभारी, उपार्जन केंद्र प्रभारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर आदि भी प्रशिक्षणार्थी के रूप में उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा धान उपार्जन एवं निराकरण प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से विपणन संघ मुख्यालय स्तर पर 'इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर' की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

इसके क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर भी कंट्रोल एंड कमांड सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं। इस संदर्भ में मोबाइल एप के माध्यम से विभिन्न प्रकार के अलर्ट के निराकरण की प्रक्रिया पर संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इस हेतु पर्याप्त मानव संसाधन एवं तकनीकी अधोसंरचना की उपलब्धता के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन जिला अधिकारियों को प्रदान किया गया है, जिसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य किया गया है।

उपार्जन केंद्रों में धान के उचित रखरखाव एवं किसानों की सुविधाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु उपार्जन केंद्र प्रभारियों और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि सरकार द्वारा किसानों से एक-एक दाना धान खरीदे जाने की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने के लिए समिति एवं जिला स्तर के अधिकारियों की संवेदनशीलता और तत्परता अपेक्षित है। इसी अनुक्रम में, धान उपार्जन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या समस्या का तत्काल निराकरण किया जाए।

प्रदेश के उपार्जन केंद्रों को पूर्व वर्षों में दर्ज प्रकरणों और संभावित अनियमितताओं के आधार पर अतिसंवेदनशील, संवेदनशील और सामान्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील उपार्जन केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इन केंद्रों पर पृथक नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाएंगे, जो समय-समय पर उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।

इसके अलावा इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से प्राप्त अलर्ट संदेशों के आधार पर उड़नदस्ता दल द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश के सीमावर्ती उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त चेक पोस्ट की स्थापना की जा रही है ताकि अवैध धान की आवक को रोका जा सके। इस संबंध में सभी जिलों को अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हर महीने एक हजार रुपए बन रहा आत्मनिर्भरता का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना आज महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई राह बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना नारी सम्मान और गरिमा का प्रतीक बन चुकी है। रायगढ़ जिले में अब तक 3 लाख 15 हजार 78 महिलाओं के खातों में 523 करोड़ 47 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरण की जा चुकी है। दीपावली से पहले जारी 20वीं किस्त के तहत 25 करोड़ 38 लाख 75 हजार रुपए की राशि भी महिलाओं को मिली है। हर माह मिलने वाले एक हजार रुपए ने महिलाओं को आर्थिक मजबूती दी है। ग्राम आमापाली की श्रीमती पुष्पा महंत बताती हैं कि योजना से बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च संभालना आसान हुआ है। श्रीमती मुस्तरी बेगम और श्रीमती दुरपति बरेठ कहती हैं कि यह योजना उनके जीवन में स्थिरता और आत्मनिर्भरता का आधार बनी है।राज्य की कई महिलाएं अब इस राशि को बीज पूंजी बनाकर छोटे व्यवसाय जैसे सिलाई-सेंटर, किराना दुकान और हस्तशिल्प कार्य शुरू कर रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि सशक्त महिला ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की नींव है।

744 गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण कार्य पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जशपुर जिले के सभी तहसीलों में एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके तहत जिले के कुल 744 गांवों के 4 लाख 3 हजार से अधिक खसरों में डीसीएस के माध्यम से तथा शेष खसरों में मैन्युअल गिरदावरी कर फसलों की ऑनलाइन प्रविष्टि की गई है।

इसका उद्देश्य भूमि पर लगी फसल एवं उसके क्षेत्रफल का सटीक आंकलन कर पारदर्शिता एवं उत्पादकता का अनुमान सुनिश्चित करना है। डीसीएस एवं मैन्युअल गिरदावरी से प्राप्त डाटा का उपयोग राज्य शासन द्वारा धान खरीदी सहित अन्य कृषि योजनाओं में किया जाएगा। विशेष अभियान के तहत चलाए गए सर्वे कार्य में सर्वेक्षण कर्ताओं द्वारा किसानों के खेतों में पहुंचकर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किस रकबे में कौन सी फसल लगाई गई है, इसकी जानकारी ऑनलाइन अपलोड की गई।

किसान अपने गांव का गिरदावरी डाटा राजस्व विभाग के वेबसाइट में तथा भुइयां पोर्टल के माध्यम से मैन्युअल गिरदावरी का डाटा देख सकते है। यदि किसी किसान को डीसीएस अथवा मैन्युअल गिरदावरी के डाटा में त्रुटि दिखाई देती है, तो वे संबंधित तहसीलदार के समक्ष लिखित आवेदन देकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

इसके तहत मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से सीधे खेत से डाटा एकत्र करने हेतु डिजिटल फसल सर्वेक्षण प्रणाली स्थापित की गई। यह प्रणाली प्रत्येक कृषि भूखंड की वास्तविक समय की जानकारी उपलब्ध कराती है, जिससे सटीक उत्पादन अनुमान लगाया जा सकेगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप एग्रीस्टैक विकसित किया गया है, जो किसानों के डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करता है। किसानों का अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण होता है, जिसे केवल उनकी सहमति से अधिकृत संस्थाओं के साथ साझा किया जाता है। एग्रीस्टैक के माध्यम से सुरक्षित एपीआई और टोकन आधारित प्रमाणीकरण से डेटा तक नियंत्रित पहुंच सुनिश्चित की गई है।

जिन किसानों के पास मोबाइल फोन नहीं हैं, उनके लिए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), कृषि सखियों एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से पंजीयन और सेवा प्राप्ति की सुविधा दी गई। जिले में विशेष शिविरों का आयोजन भी किया गया, ताकि कोई भी किसान एग्रीस्टैक के लाभ से वंचित न रहे। डिजिटल क्रॉप सर्वे से जिले में गिरदावरी प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है तथा किसानों को धान खरीदी, फसल बीमा और अन्य योजनाओं के लिए पात्रता की पुष्टि में सुविधा मिल रही है।

बस्तर ओलंपिक-2025 की तैयारियां जोरों पर, अब तक 3.09 लाख खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर संभाग के सभी विकासखंडों में आयोजित होने वाले बस्तर ओलंपिक-2025 की तैयारियाँ जोरों पर हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों तथा बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों की बैठक लेकर इसकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने खेल मैदानों की उपलब्धता, उनकी मैपिंग, भोजन, यातायात, आवास, प्राथमिक चिकित्सा, निर्णायकों एवं रेफरियों की व्यवस्था के साथ ही सभी मूलभूत जरूरतों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनूजा सलाम भी समीक्षा बैठक में उपस्थित थीं। बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बस्तर ओलंपिक में भागीदारी के लिए अब तक तीन लाख नौ हजार से अधिक खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें कांकेर जिले के 42 हजार 228, कोंडागांव के 43 हजार 333, दंतेवाड़ा के 44 हजार 395, नारायणपुर के 46 हजार 074, बस्तर के 52 हजार 312, बीजापुर के 40 हजार 437 तथा सुकमा जिले के 40 हजार 830 प्रतिभागी शामिल हैं। विगत 22 सितम्बर से बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन की शुरूआत की गई थी। खिलाड़ियों के पंजीयन का काम आगामी 20 अक्टूबर तक जारी रहेगा। बस्तर ओलंपिक का विकासखंड स्तर पर आयोजन 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक, जिला स्तरीय आयोजन 5 नवम्बर से 15 नवम्बर तक तथा संभाग स्तरीय आयोजन 24 नवम्बर से 30 नवम्बर तक किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में बस्तर ओलंपिक की पंजीयन प्रक्रिया एवं व्यापक प्रचार-प्रसार की समीक्षा की। उन्होंने ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक प्रचार-प्रसार की योजनाओं—जैसे दीवार लेखन, मशाल यात्रा, पोस्टर, बैनर, पैंपलेट वितरण, हाट-बाज़ारों में प्रचार इत्यादि की जानकारी ली। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। श्री साव ने प्रत्येक विकासखण्ड में पंजीयन की स्थिति की समीक्षा कर जिन क्षेत्रों में पंजीयन कम हैं, वहां विशेष अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं की तुलना में पुरुष प्रतिभागियों के कम पंजीयन को देखते हुए जिला खेल अधिकारियों को पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

श्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक अब केवल क्षेत्रीय आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि इसकी ख्याति पूरे देश में फैल चुकी है। अत: इसे राष्ट्रीय महत्व का आयोजन मानते हुए विकासखंड से लेकर संभाग स्तर तक उच्च गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के निर्णायकों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रेरणा स्रोत के रूप में आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक होने वाले विकासखंड स्तरीय आयोजनों के लिए सभी जिलों को समय पूर्व संपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। श्री साव ने फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल जैसे खेलों में पंजीयन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा खेल विभाग से प्राप्त बजट के अतिरिक्त जिला कलेक्टरों के सहयोग से सीएसआर निधि से वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की उप संचालक रश्मि ठाकुर तथा खेल अधिकारी गिरीश शुक्ला भी बैठक में मौजूद थे।

11 खेलों की स्पर्धाएं होंगी, नक्सल हिंसा के दिव्यांग और आत्मसमर्पित नक्सली भी दिखाएंगे अपना दमखम

विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर एक महीने से भी अधिक समय तक चलने वाले बस्तर ओलंपिक में 11 खेलों को शामिल किया गया है। जूनियर वर्ग में बालक और बालिकाओं तथा सीनियर वर्ग में महिला और पुरूषों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। नक्सल हिंसा के दिव्यांगों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी संभाग स्तर पर पुरूषों और महिलाओं के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बस्तर ओलंपिक के दौरान एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साखींच में पूरे बस्तर के खिलाड़ी अपना खेल कौशल दिखाएंगे।

खास खबर

बीमार ऊंट को रस्सी से बांध छोड़कर भाग गया मालिक, इलाज के दौरान हुई मौत

कोरबा। बालको नगर के समीप सतनाम नगर इलाके में एक ऊंट की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ऊंट के मालिक ने उसे जंगल में रस्सी से बांधकर छोड़ दिया था, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और अंततः उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ऊंट इसी क्षेत्र में भटक रहा था। उसकी शारीरिक स्थिति खराब थी, जिस पर लोगों की नजर बनी हुई थी। इसी बीच अचानक ऊंट की मौत हो गई। सूचना मिलने पर छत्तीसगढ़ हेल्थ वेलफेयर सोसाइटी की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी की सहायता से ऊंट का अंतिम संस्कार किया। रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले एक ऊंट की बालको नगर के नजदीक सतनाम नगर इलाके में आखिरकार मौत हो गई। उसका उपयोग करने वाले व्यक्ति की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। आसपास के लोगों उनकी सूचना पर एक सामाजिक संगठन के लिए काम करने वाले युवकों ने ऊंट का अंतिम संस्कार किया।

स्थानीय महिला सावित्री गोंड ने बताया कि कुछ लोग बाहर से ऊंट लेकर आए थे और उसे जंगल में बांधकर भाग गए। जब इसकी जानकारी हुई तो 112 डायल और वेलफेयर सोसाइटी को सूचना दी गई। सोसाइटी के सहयोग से पशु चिकित्सा विभाग ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण ऊंट की मौत हो गई। पशु चिकित्सक मनोज कुमार ने बताया कि ऊंट के मुंह में गंभीर इंफेक्शन था, जो पिछले दो दिनों से बढ़ता जा रहा था और उसी कारण उसकी मृत्यु हुई।

पीएम किसान योजना : 12 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बालोद। जिले की साइबर सेल और डौण्डीलोहारा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीएसपी के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से पीएम किसान योजना के नाम पर एपीके फाइल भेजकर 12 लाख की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी विकास कुमार दास को पुलिस ने मधुपुर, देवघर (झारखंड) से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित, जो बीएसपी से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके व्हाट्सएप नंबर पर पीएम किसान योजना की एपीके फाइल भेजी थी। फाइल डाउनलोड होते ही मोबाइल हैक हो गया और आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल से कुल 12,13,860 रुपए निकाल लिए। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना डौण्डीलोहारा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की लगातार तकनीकी जाँच के बाद पुलिस ने बिहार के जमुई जिले से तीन आरोपियों, नीतीश कुमार दास (22 वर्ष, ग्राम झुण्डों, थाना खैरा), अरविंद कुमार दास (18 वर्ष, ग्राम बटपाल, थाना चकई), राकेश कुमार दास (21 वर्ष, ग्राम झुण्डों, थाना खैरा) को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मुख्य आरोपी विकास कुमार दास, पिता गुड्डु दास (23 वर्ष), निवासी ग्राम केसरगढ़ा, थाना मधुपुर, जिला देवघर, झारखंड, फरार चल रहा था। विशेष पुलिस टीम ने झारखंड में कैंप लगाकर मुखबिरों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया।

स्मृतिनगर पुलिस ने की छापमार कार्रवाई: अवैध हुक्का बार संचालक सहित चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में अवैध हुक्का बार के खिलाफस्मृतिनगर पुलिस ने देर रात ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए हुक्का बार संचालक और उसके साथियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना पर की गई इस रेड में पुलिस टीम ने संचालक नीरज सिंह (22 वर्ष) को मौके पर ही हिरासत में लिया। साथ ही तीन अन्य युवक भी हुक्के का धुआं उड़ाते हुए पकड़े गए। पुलिस ने मौके से हुक्का पॉट, पाइप, फ्लेवर और कोल सहित करीब 5,000 रुपये मूल्य का सामान जब्त किया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नीरज सिंह स्मृतिनगर थाना सुपेला क्षेत्र का निवासी है और राजा नामक व्यक्ति से हुक्का फ्लेवर व अन्य सामग्री लेकर अवैध रूप से बार चलाता था। इस हुक्का बार में युवाओं को निकोटिन युक्त हुक्का परोसा जा रहा था, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। घटना का विवरण पुलिस ने बताया कि जैसे ही टीम ने हुक्का बार का घेराव किया, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई युवक भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस के घेराबंदी और सतर्कता के कारण कोई भी फरार नहीं हो सका। इस कार्रवाई में संचालक नीरज सिंह के अलावा धनंजय साहू (25 वर्ष) निवासी चर्च के पास, दुर्ग, गगनदीप सिंह (27 वर्ष) निवासी बाबादीप सिंह नगर, सुपेला और संकेत धर्मकार (27 वर्ष) निवासी सिद्धार्थ नगर, दुर्ग को भी गिरफ्तार किया गया।

कोतवाली पुलिस ने मारी रेड जप्त सामग्री और तकनीकी विवरण पुलिस ने हुक्का बार से जप्त सामग्री में दो हुक्का पॉट, दो पाइप (काला और पीला), महाराजा कंपनी का फ्लेवर, अलादीन ब्रेनफीजर फ्लेवर, अफ्जल चीफ कमिश्नर फ्लेवर, पान फ्लेवर एआई आयान कंपनी के दो पैकेट, स्टाश प्रो कोकोनट कोल और शीशा क्राउन कंपनी का रोल फाइल शामिल है। जांच में पाया गया कि सभी फ्लेवर में निकोटिन की मात्रा 0.50 प्रतिशत थी। स्मृतिनगर पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई अवैध नशा नियंत्रण अधिनियम के तहत की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और सभी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

पुलिस के बयान स्मृतिनगर थाना प्रभारी ने बताया कि जिले में युवाओं को अवैध हुक्का और निकोटिन उत्पादों से बचाने के लिए नियमित रूप से निगरानी रखी जा रही है। मुखबिर की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई कर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि यह हुक्का बार क्षेत्र में युवाओं को प्रभावित कर रहा था और इसे बंद कराकर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। उन्होंने आगे कहा कि हुक्का फ्लेवर और अन्य सामग्री स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इसके सेवन से गंभीर रोग हो सकते हैं। पुलिस ऐसे अवैध व्यवसायों के खिलाफकड़ी कार्रवाई कर रही है ताकि जिले में नशा नियंत्रण को प्रभावी बनाया जा सके। अवैध हुक्का बार संचालक और उसके साथी न केवल कानून का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि युवाओं के स्वास्थ्य और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे थे। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय निवासियों को भी आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी जारी रहेगी।

गिरफ्तार आरोपी में नीरज सिंह, उम्र 22 वर्ष, निवासी स्मृतिनगर, भिलाई, दुर्ग हुक्का बार संचालक। धनंजय साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी चर्च के पास, दुर्ग। गगनदीप सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी बाबादीप सिंह नगर, सुपेला। संकेत धर्मकार, उम्र 27 वर्ष, निवासी सिद्धार्थ नगर, दुर्ग। सभी आरोपियों के खिलाफ अवैध नशा नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच अभी जारी है और आवश्यकतानुसार अन्य आरोपी भी गिरफ्तार किए जाएंगे। इस कार्रवाई से जिले में अवैध हुक्का बार चलाने वालों के लिए कड़ा संदेश गया कि पुलिस सक्रिय है और नशा नियंत्रण में कोई ढील नहीं दी जाएगी। नागरिकों और युवाओं से अपील की गई है कि किसी भी अवैध हुक्का बार या नशे के कारोबार की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

चरोदा में शराब के नशे में मारपीट कर रहे युवकों को लोगों दौड़ाया तो थाने में जाकर ली शरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

- गुस्साए लोगों ने आरोपियों की दो दुपहिया पर लगा दी आग
- आधी रात चरोदा बस्ती के सैकड़ों लोगों ने किया थाना घेराव

भिलाई। चरोदा बस्ती में बीती रात बड़ा बवाल हो गया। शराब के नशे में चार युवकों का बस्ती के कुछ लोगों से मारपीट हो गई। इससे गुस्साए बस्ती के लोगों ने चारों युवकों पर पलटवार करते हुए दौड़ाया। लोगों का आक्रोश देख चारों युवकों ने भिलाई-3 थाना पहुंचकर शरण ली। इस बीच बस्ती के लोगों ने आरोपियों के एक स्कूटी और पल्सर वाहन पर आग लगा दिया और आधी रात को थाने पहुंचकर घेराव कर दिया। भीड़ पुलिस से आरोपियों को उनके हवाले करने की मांग करते रहे। आखिरकार पुलिस ने समझाया देकर माहौल को शांत किया और चारों युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया।

जानकारी के मुताबिक चरोदा बस्ती में भवानी शंकर तिवारी उसके भाई मणिशंकर, कालू ठाकुर और दुगेश यादव के खिलाफ भिलाई-3 पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में अपराध दर्ज किया है। चारों युवकों पर आरोप है कि उन्होंने शराब के नशे में बस्ती के कुछ लोगों से बेवजह विवाद पैदा कर मारपीट किया। इससे बस्ती के लोगों में नाराजगी पनपी और चारों युवकों पर बरस पड़े। जब युवकों को लगा कि लोग उन पर भारी पड़ रहे हैं, तो वे बस्ती से भागते हुए भिलाई-3 थाना जा पहुंचे।

यहां पर चारों युवकों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कुछ लोगों से मारपीट किया है। जिसके बाद आक्रोशित लोग उन्हें मारने दौड़ा रहे हैं। इसी बीच रात साढ़े 12 बजे के आसपास लगभग देढ़ सौ लोगों की भीड़ थाने में जुट गई। तब थाने में नाममात्र का स्टाफ था। आनन फानन में थाना स्टाफ ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। तब सीएसपी छावनी हेम प्रकाश नायक और टीआई अम्बर सिंह भारद्वाज थाने पहुंचे। भीड़ उनसे आरोपियों को अपने हवाले करने की जिद पर अड़ी रही। किसी तरह समझा बुझाकर भीड़ को शांत किया गया।

चाकू दिखाकर लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को चाकू लेकर लोगों में भय फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रूआबांधा स्थित शीतला तालाब पार एक व्यक्ति लोहे का चाकू लेकर लोगों को डराने का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही भिलाई नगर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनुभव मसीह (19 वर्ष), निवासी मैत्री कुंज प्रगति नगर, रिसाली, थाना नेवई, जिला दुर्ग के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोहे का चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी हथियार रखने का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 540/2025, धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार युवक को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

भिलाई नगर थाना प्रभारी ने बताया कि आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनजर शहर में आपराधिक गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौकसी बढ़ा रही है। थाना प्रभारी ने आगे कहा कि शहर में किसी भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या उपद्रवी की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत कार्रवाई करती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को हथियार लेकर डराने-धमकाने या आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त देखते हैं, तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

पुलिस ने बताया कि दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान सुरक्षा के उपाय और मजबूत किए जा रहे हैं। इस दौरान शहर के सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और तालाबों के आसपास पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है। नागरिकों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साझा करने का आग्रह किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए टीम ने रणनीति बनाई और उसे घेराबंदी कर हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

वीआईपी चौक के पास चेकिंग से बचने युवक दौड़ाई कार, आरक्षक को रौंदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ चल रहे पुलिस अभियान के दौरान एक गंभीर लापरवाही और हादसे की घटना सामने आई है। यह मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है, जहां बुधवार देर रात रायपुर पुलिस द्वारा रोजाना की तरह नशे के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। उसी दौरान एक बलेनो कार (क्रमांक CG 04 ML 8357) चेकिंग पॉइंट को तोड़ते हुए तेज रफ्तार में भागने लगी। कार में सवार सिद्धांत दान और आदित्य चौधरी नाम के दो युवक पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए लापरवाहीपूर्वक वाहन दौड़ाने लगे।

जानकारी के अनुसार, पुलिस की टीम ने जैसे ही कार को रोकने का प्रयास किया, चालक ने वाहन की गति और बढ़ा दी। इसी बीच वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बेकाबू कार ने यातायात आरक्षक हेम कुमार पटेल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, उनके दाहिने पैर की हड्डी पूरी तरह से टूट गई है और फ्लिहाल उनका उपचार जारी है। घटना

की सूचना मिलते ही यातायात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत शुक्ला स्वयं मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि रायपुर पुलिस द्वारा नशे और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तेलीबांधा क्षेत्र में चेकिंग की जा रही थी, तभी इन दोनों युवकों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए पुलिस चेकिंग पॉइंट को तोड़ दिया।

एएसपी शुक्ला ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि दोनों युवक किसी क्लब से लौट रहे थे और संभवतः नशे की हालत में थे। पुलिस की मौजूदगी देखकर उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए तेज रफ्तार में वाहन भगाने की कोशिश की, जिसके चलते यह हादसा हुआ। दोनों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया है और वाहन को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। दोनों के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और पुलिस कर्मी को चोट पहुंचाने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। जांच के बाद उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी प्रशांत शुक्ला ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा, पुलिस कर्मियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नशे के खिलाफ अभियान किसी भी स्थिति में रुकेगा नहीं। ऐसे लापरवाह और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

अंतरराज्यीय गौवंश तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मरवाही। छत्तीसगढ़ के मरवाही थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गौवंश तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ग्राम बहरी झोरकी नाका के जंगल में की गई, जहां से कुल 13 मवेशियों को सुरक्षित बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गौवंश परिरक्षण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम सहित कई संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को मटियाडांड से अवैध रूप से मवेशी ले जाए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद, पुलिस अधीक्षक सुरजन राम भगत के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने स्थानीय गौसेवकों और ग्रामीणों की मदद से जंगल में घेराबंदी की, जिससे तस्करों का कोई नहीं बचा।

घेराबंदी के दौरान मुख्य आरोपी अर्जुन सिंह राठौर सहित कुल छह लोगों को मौके से गिरफ्तार

किया गया। आरोपियों के कब्जे से 11 मवेशी, 5 रस्सी और 5 लाठी बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी पहले भी अंतरराज्यीय गौवंश तस्करी में शामिल रहे हैं और उनके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हैं। मरवाही पुलिस की इस कार्रवाई को अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की सक्रियताएं न केवल पशु तस्करी को रोकने में मदद करती हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन आरोपियों का संबंध किन-किन राज्यों में फैले तस्करी नेटवर्क से है।

अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में और गिरफ्तारी की संभावना है और तस्करी के सभी कनेक्शन उजागर किए जाएंगे। स्थानीय गौसेवकों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि उनका सहयोग कानून को सुदृढ़ करने और पशु संरक्षण सुनिश्चित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि लगातार तस्करी की घटनाओं के कारण मवेशियों की सुरक्षा और ग्रामीणों की चिंता बढ़ी हुई थी। मरवाही पुलिस ने ग्रामीणों और गौसेवकों से अपील की है कि इस तरह की घटनाओं की सूचना तुरंत दें। अधिकारियों ने कहा कि सक्रिय निगरानी और समय पर सूचना के माध्यम से ऐसे गिरोहों का पूरी तरह से सफाया किया जा सकता है। इस गिरफ्तारी के बाद पूरे इलाके में राहत की भावना है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई अंतरराज्यीय गौवंश तस्करी को रोकने और पशु संरक्षण कानून को सख्ती से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कौशल विकास केंद्र के लाइसेंस के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। जिले में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का लाइसेंस दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने देवनाथ वर्मा (34 वर्ष) निवासी ग्राम सूरजपुरा, थाना भाटापारा ग्रामीण को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दो साल तक पीड़ित को झांसा देकर 2,06,000 रुपये की ठगी करने का आरोप है। शिकायतकर्ता राजकुमार वलेचा ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि देवनाथ वर्मा ने 4 दिसंबर 2022 से 3 जून 2024 के बीच बलौदाबाजार और भाटापारा क्षेत्र में कौशल विकास केंद्र खोलने के लिए लाइसेंस दिलाने का वादा किया। आरोपी ने भुगतान के बहाने फोन-पे और नकद के माध्यम से कुल 2,06,000 रुपये प्राप्त किए। जब लाइसेंस नहीं मिला और शिकायतकर्ता ने पैसे वापस मांगने शुरू किए, तो आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मदरसा और गौ औषधालय पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

जांजगीर। नगर पंचायत शिवरीनारायण के बस स्टैंड के पास सरकारी जमीन पर वर्षों से संचालित मदरसा और गौ औषधालय पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। नगर पंचायत ने उस सरकारी जमीन पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का निर्णय लिया है जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। इस दौरान मौके पर ASP, SDM, SDOP, तहसीलदार सहित भारी पुलिस बल मौजूद था। शिवरीनारायण में कई वर्षों से सरकारी जमीन पर मदरसा और गौ औषधालय संचालित हो रहे थे। पिछले महीने मदरसा के लिए जमीन आवंटन के आवेदन मिलने के बाद तहसीलदार ने सार्वजनिक सूचना जारी की थी। इसके बाद हिंदू संगठनों ने तहसील कार्यालय का घेराव किया और शिवरीनारायण के सभी व्यवसायियों ने दुकानें बंद कर प्रदर्शन किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950